राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण रविवार 02 अगस्त 2026 वर्ष-9,अंक-181 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चढ़ावा चोरी का 'नाटक' करने पर राहुल-पप्पू यादव पर एफआईआर

- लखनऊ में हिंदूवादी नेता बोला-पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देंगे

लखनऊ/वाराणसी (एजेंसी)। दिल्ली में संसद भवन के बाहर राम मंदिर चढ़ावा चोरी के सांकेतिक नाटक को लेकर यूपी में बवाल बढ़ता जा रहा है। शनिवार को लखनऊ, वाराणसी, मथुरा समेत कई शहरों में विरोध-प्रदर्शन हुआ। वाराणसी में पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर

जगदगुरु बालक दास की शिकायत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सपा सांसद अवधेश प्रसाद और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पर एफआईआर दर्ज की गई है। लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली। राहुल-अखिलेश के मुखौटे पहने लोगों पर चप्पलें बरसाईं। संगठन ने पप्पू यादव का सिर लाने वाले को 51 लाख देने का ऐलान किया। मथुरा में साधु-संतों ने पप्पू यादव की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग की। बता दें कि शुक्रवार को संसद के बाहर पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे थे।

पटियाला में चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग का विरोध किया

चन्नी लियाओ-कांग्रेस बचाओ के नारे लगाए, हूटिंग भी की

जालंधर/पटियाला (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी और प्रदेश प्रधान अमरिंदर राजा वड़िंग के बीच की गुटबाजी अब वर्करों में भी पहुंच गई है। शनिवार को पटियाला के समाना में कार्यक्रम के दौरान चन्नी समर्थकों ने राजा वड़िंग का विरोध कर दिया। उन्होंने वड़िंग की हूटिंग करते हुए चन्नी के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। यहां राजा वड़िंग ने जैसे ही बोलना शुरू किया तो समर्थकों ने चन्नी के हक में नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने 'चन्नी लियाओ-पंजाब बचाओ', चन्नी लियाओ-कांग्रेस बचाओ के नारे लगाए। इससे राजा वड़िंग भड़क गए,

उन्होंने पूछा कि क्यों नारे लगा रहे हो। जिसने पार्टी का प्रोग्राम खराब किया, उसके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई होगी। पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी ने प्रभारी भूपेश बघेल के दौरे का बायकॉट कर रखा है। पंजाब में बूथ मजबूत करने की ये मुहिम प्रधान राजा वड़िंग की अगुआई में चलाई जा रही है। जिस वजह से चन्नी और उनके साथ चल रहे सांसद सुखजिंदर रंधावा भी इस मुहिम से दूर हैं। कल शुक्रवार को भी फतेहगढ़ साहिब में हुए कार्यक्रम में चन्नी नहीं पहुंचे थे। यहां सिर्फ राजा वड़िंग व उनके गुट के नेता ही मौजूद थे। यहां प्रधान राजा वड़िंग ने दावा किया था कि एएपी के 6 सांसदों के बाद अब 40 से 45 विधायक भी पार्टी छोड़ सकते हैं, उन्हें लग रहा है कि 2027 के चुनाव में उनकी टिकट काटी जा सकती है। इस बारे में सीक्रेट मीटिंग भी हो चुकी है। राजा वड़िंग को दोबारा कमान सौंपे जाने के बाद से नाराजगी है।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट

पीएम को गाली देने वाली लड़की ने मांगी माफी

- कहा-मैं 15 साल की, मेरी पहली और आखिरी गलती
- दीपके आए सामने, बोले-क्या केस भी वापस होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर पीएम मोदी को गाली देने वाली लड़की ने माफी मांगने का वीडियो जारी किया है। उसने कहा, 'मैं सिर्फ 15 साल की हूं, यह मेरी पहली और आखिरी गलती थी। मैं बहकावे में आ गई थी।' वीडियो सामने आने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने शनिवार को पूछा, 'क्या सरकार केस भी वापस लेगी।' लड़की के खिलाफ 30 जुलाई को नोएडा में केस दर्ज हुआ था। इधर, पीएम मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की थी। इसमें उन्होंने कहा था, 'मुझे और मेरी मां को भद्दी-भद्दी गालियां देने वाले बच्चों को माफ करना चाहता हूं।' सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह लड़की हाथ जोड़कर अपने बयान पर माफी मांगती नजर

आ रही है। वीडियो में लड़की कहती है, 'मैं 15 साल की हूं। अपने दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस घूमने गई थी। वहां छात्र प्रदर्शन चल रहा था और आसपास मौजूद कुछ लोग पीएम के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगा रहे थे। मैं उसी माहौल और भीड़ के बहकावे में आ गई।'

मोदी रील में बोले-

भटके बच्चों को माफ करना चाहता हूं

पीएम मोदी ने शुक्रवार रात इंस्टाग्राम पर रील शेयर की। उन्होंने कहा बचपन में गलतियां होती हैं। बचपन की गलतियों को सुधारने का अवसर भी होता है। ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाने का समय है, इन्हें माफ करना चाहता हूं। यह पिछले 9 दिनों में पीएम का 5वां वीडियो है। रात 11 बजे जारी किए गए वीडियो को 30 मिनट में 13 लाख लोगों ने लाइक किया।

ई 20 फ्यूल का विरोध

केजरीवाल पीएम आवास तक अब निकालेंगे मार्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने शनिवार को ई 20 फ्यूल के मुद्दे पर 'नेशनल टाउन हॉल' किया। एएपी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे 3 अगस्त की दोपहर को याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ 4 अगस्त को लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम नरेंद्र मोदी के आवास तक मार्च का नेतृत्व करेंगे। केजरीवाल ने टाउनहॉल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है। सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है। आज के टाउन हॉल में लोगों ने तीन मांगें रखी। पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों के पास चुनाव करने का विकल्प हो।

12 साल में एयरपोर्ट की संख्या 74 से बढ़कर 166 हुई

- पीएम मोदी बोले, आंध्र प्रदेश में विकास परियोजनाओं की शुरुआत की
- कहा-पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार पर थे, हमने परंपरा बदली

अमरावती (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को आंध्रप्रदेश के अमरावती में कहा, 'देश में पहले एयरपोर्ट के नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे, लेकिन हमारी सरकार ने इस परंपरा को बदल दिया।' उन्होंने कहा, 'हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा। इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा है।' पीएम ने यहां भोगपुरम एयरपोर्ट समेत 18 हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पीएम ने कहाकि पिछले 12 साल में देश में 74 से बढ़कर अब 166 एयरपोर्ट हो गए हैं। पीएम ने दोपहर 3.30 बजे कर्नाटक के मैसूरु में श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र-विवेक स्मारक का उद्घाटन भी किया। पीएम ने कहा- आज चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में एनडीए की पूरी टीम डबल स्पीड से काम कर रही है।

हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा

प्रधानमंत्री ने कहा- कुछ दिन पहले ही सरकार ने उड़ान योजना के दूसरे फेज की शुरुआत की है, इस पर भी 29 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। कुछ दिन पहले काशी में स्पोक एयरपोर्ट मॉडल का शुभारंभ हुआ। आज वही मॉडल के पंजाब के अमृतसर तक पहुंच गया है। इससे अमृतसर से 25 से ज्यादा डेस्टिनेशन जुड़ जाएंगी। पीएम ने कहा- पहले एयरपोर्ट ने नाम एक ही परिवार के नाम पर होते थे। हमने इस परंपरा को बदला। हमने अयोध्या में एयरपोर्ट का नाम बाल्मीकी के नाम से जोड़ा। पंजाब में एयरपोर्ट का नाम संत रविदासजी के नाम पर रखा, और इस एयरपोर्ट का नाम श्री अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर रखा।

अल्लूरी सीताराम ने आदिवासियों के लिए काम किया

मोदी ने कहा कि ये अल्लूरी सीताराम राजू की धरती है। अल्लूरी सीताराम ने जिस धरती पर आदिवासी हितों के लिए अपना जीवन समर्पित किया, आज वहां पर आंध्र प्रदेश के एक नए एयरपोर्ट की शुरुआत हो रही है। ये एयरपोर्ट आंध्र और उत्तर आंध्र की ग्रोथ का रनवे है। ये आंध्र के युवाओं के बेहतर भविष्य का लॉन्चपैड है। आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए बेहद अहम है। स्वर्ण आंध्र विजन को नई गति मिली है। शुभ अवसर पर उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला। भगवान वराहलक्ष्मीनरसिंह स्वामी, श्री कुर्मनाथस्वामी और मां पौंडितल्ली अम्मवारू को नमन। 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ। इनमें एयरपोर्ट, सड़क और ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। विकास के साथ भिमसा (धीमसा) नृत्य ने भी नया सांस्कृतिक रिकॉर्ड बनाया। धीमसा नृत्य ने विश्व रिकॉर्ड बनाया। 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति अद्भुत रही। इसमें देश की विविधता और जनजातीय विरासत की झलक दिखी।

यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने उतारा दोस्त रूस का कर्ज

- प्रतिबंधों के बीच बना तारणहार, भड़क सकता है यूरोप

मास्को/नई दिल्ली/कीव (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच दोस्ती सोवियत जमाने से ही दुनिया में एक मिसाल है। साल 1971 का बांग्लादेश युद्ध हो या भारत का परमाणु विस्फोट, रूस भारत के साथ हमेशा खड़ा रहा। आज भी भारत के करीब 65 फीसदी हथियार रूसी मूल के हैं। अब यूक्रेन पर हमला करने के बाद रूस जंग

में बुरी तरह से फंस गया है और लाखों की तादाद में रूसी सैनिक हताहत हुए हैं। रूस के लिए महासंकट की इस घड़ी में भारत ने रूस का पुराना कर्ज एक तरह से उतार दिया है। भारत अमेरिका के 100 फीसदी टैरिफ के खतरे के बाद भी न केवल रूस से जमकर तेल खरीद रहा है, बल्कि उसे ऐसे 50 हजार बेहद जरूरी सामानों का भी निर्यात कर रहा है जो उसे पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से नहीं मिल पा रहे हैं। भारत के सप्लाई चेन की मदद से रूस आगे बढ़ रहा।

भारत और रूस दोस्ती दशकों पुरानी

स्ट्राइडर कंपनी के शोधकर्ताओं ने 50 हजार कंट्रोल्ड या संवेदनशील सामनों को तीसरे देशों में ट्रैक किया जो यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद भारत के रास्ते रूस जा रहा है। कंपनी का कहना है कि ये यूरोप में बने सामान हैं जो भारत के रास्ते रूस जा रहे हैं। इन सामानों के बारे में पहली बार खुलासा हुआ है। इन सामानों में इलेक्ट्रानिक, मशीनरी, ट्रांसपोर्ट के सामान, मेटल और अत्याधुनिक इलेक्ट्रिकल उपकरण शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि इन सामानों में कई तो दोहरे इस्तेमाल वाले हैं या संवेदनशील उपकरण माने जाते हैं। इस शोध में दावा किया गया है कि यूरोप या ब्रिटेन के सामानों को भारत में असेंबल करके उसे रूस भेजेंगे।

टैरिफ लगाने की धमकी दे रहा अमेरिका

विश्लेषकों का कहना है कि अब भारत भी रूस की मदद कर उसका कर्ज उतार रहा है। भारत के इस रुख से पश्चिमी देश भड़के हुए हैं। अमेरिका में तो सीनेट में बिल पेश हुआ है जिसमें कहा गया है कि रूस से तेल आयात करने वाले भारत और चीन पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जा सकता है। कई एक्सपर्ट का कहना है कि मेक इन इंडिया नीति की वजह से भारत अब इतना बड़ा ग्लोबल सोर्सिंग का हब बन गया है जिसका यूरोपीय देशों के पास भी विकल्प नहीं है। भारत और रूस के बीच अब कुल व्यापार करीब 70 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारत और रूस इसे साल 2030 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने पर काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत और रूस के बीच व्यापार अभी और बढ़ने जा रहा है।

घाटी में 2 हिंदू मजदूरों की गोली मारकर हत्या

आतंकियों ने नाम पूछकर फायरिंग की, दोनों छत्तीसगढ़ के

श्रीनगर (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में शुक्रवार रात करीब 8.30 बजे पहलगाम जैसा हमला हुआ। आतंकवादियों ने ईंट-भट्ठे पर काम कर रहे 2 हिंदू मजदूरों को नाम पूछकर गोली मार दी। पुलिस को यह जानकारी मौके पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने दी। दोनों मृतक छत्तीसगढ़ के रहने वाले थे। हमले में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, दूसरे ने शनिवार सुबह श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल

साइंस में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मारे गए युवकों की पहचान 24 साल के दीपक रात्रे और 28 साल के भूपेंद्र के रूप में हुई है। बता दें कि 22 अप्रैल 25 को पहलगाम में हमला हुआ था।

एक आतंकी के पाकिस्तानी होने का शक

सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसियों को हमले में एक स्थानीय और एक पाकिस्तानी आतंकी के शामिल होने का शक है। शुरुआती जांच का फोकस मोहम्मद लतीफ पर है। वह पिछले साल टीआरएफ में शामिल हुआ था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा कि मृतकों के परिवार को पहले से दिए जा रहे 6 लाख के मुआवजे को बढ़ाया जाएगा।

भट्ठे पर काम करने वाले यही दोनों हिंदू थे

अधिकारियों के अनुसार, हमला कुलगाम से करीब 20 किलोमीटर दूर केलाम में हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, उन्होंने 10-12 राउंड फायर की आवाज सुनी। घटना के समय वहां कई प्रवासी मजदूर थे, लेकिन सिर्फ यही दोनों हिंदू थे। इस हमले के बाद घटनास्थल के चारों तरफ करीब दो किलोमीटर का इलाका सील कर दिया गया है। आतंकियों की तलाश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि एक बाइक पर 2 आतंकी आए थे। इनके आतंकी गुट लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के होने का अनुमान है। दरअसल, नॉन लोकल को निशाना बनाता रहा है।

संदिग्ध आतंकी की दोस्त साहिबगंज से गिरफ्तार

- हनीट्रैप के जरिए संवेदनशील जानकारी जुटाने का आरोप
- जैश की सदस्य, पश्चिम बंगाल एसटीएफ अपने साथ ले गई

साहिबगंज (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद संगठन के आतंकी हमीम मंडल की गिरफ्तारी के बाद झारखंड के साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र से 21 वर्षीय अर्पिता सरकार को गिरफ्तार किया है। स्क्वॉड का दावा है कि अर्पिता हमीम मंडल के संपर्क में। अर्पिता की भूमिका की जांच एक संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल के संदर्भ में की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल

के बर्धमान ले जाया गया है। एसटीएफ के अनुसार, गुरुवार को पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार हमीम मंडल से पूछताछ और डिजिटल साक्ष्यों की जांच के दौरान अर्पिता सरकार का नाम सामने आया। एजेंसी का कहना है कि दोनों के बीच कई वाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल संवाद मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। यह भी दावा किया गया है कि दोनों सामान्य फोन कॉल के बजाय एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से संपर्क में रहते थे।

पीएम मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा के हर फैसले में अजीत डोभाल

पुणे (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनएसए अजीत डोभाल की तगड़ी तारीफ की है। पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 प्रदान करने के मौके पर शाह ने कहा कि मुझे खुशी है कि तिलक स्मारक ट्रस्ट ने अजीत डोभाल को तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना। 2014 में पद संभालने के बाद पीएम मोदी ने जो पहला चयन किया, वह अजीत डोभाल को एनएसए नियुक्त करना था। शाह ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पीएम मोदी के हर फैसले में अजीत डोभाल की पर्दे के पीछे भूमिका और सलाह रही है। शाह ने इसके साथ ही लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को याद किया है। उन्होंने कहा कि आज उनकी 106वीं पुण्यतिथि है। मैं गहरे सम्मान के साथ तिलक महाराज को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अमित शाह ने छत्रपति शिवाजी को याद किया

अमित शाह ने कहा कि जब भी मैं आंखें बंद करके उन्हें पुणे की पारंपरिक पगड़ी पहने हुए गर्व के साथ वह घोषणा करते हुए सोचता हूं, तो मुझे आश्चर्य होता है कि वह कितना शानदार और प्रेरणादायक पल रहा होगा जब उन्होंने वे अमर शब्द कहे थे। इसी धरती से छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज की घोषणा की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बहनः संस्कृति, संवेदना और सशक्त भारत की आधारशिला

देश के विभिन्न राज्यों से हजारों बेटियों और बहनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय नारी केवल परिवर्तन की साक्षी नहीं, बल्कि परिवर्तन की सबसे बड़ी वाहक है। सम्मेलन में उपस्थित प्रत्येक बेटी और बहन अपने साथ केवल उत्साह नहीं लाई थी, बल्कि संस्कार, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक नया संकल्प लेकर आई थी। यह दृश्य भारतीय संस्कृति के उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत था, जिसमें नारी केवल सम्मान की पात्र नहीं, बल्कि समाज-निर्माण की सक्रिय भागीदार है।

(लेखक - ललित गर्ग)

राष्ट्रीय बहन दिवस, 2 अगस्त 2026 और 'बेटी तेरापंथ की सम्मेलन' पर विशेष)

रिश्तों की दुनिया में यदि कोई संबंध निस्वार्थ प्रेम, आत्मीयता, विश्वास, त्याग और आजीवन साथ का सबसे सुंदर उदाहरण है, तो वह बहन का रिश्ता है। बहन केवल परिवार की सदस्य नहीं होती, वह घर की संवेदना, संस्कारों की संरक्षिका, परिवार की आत्मा और समाज की मानवीय चेतना की वाहक होती है। राष्ट्रीय बहन दिवस इसी अनुपम रिश्ते के सम्मान, उसकी गरिमा और उसके जीवनदायी योगदान को स्मरण करने का अवसर है। प्रत्येक वर्ष अगस्त के प्रथम रविवार को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि यदि परिवारों में बहनों का स्नेह और संस्कार जीवित रहेंगे, तभी समाज में समरसता और राष्ट्र में मानवीय मूल्यों की धारा प्रवाहित होती रहेगी।

आज जब भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और आत्मकेंद्रित जीवनशैली रिश्तों की ऊष्मा को चुनौती दे रही है, तब राष्ट्रीय बहन दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस अमूल्य परंपरा का पुनर्स्मरण है, जहाँ नारी को परिवार की धुरी, संस्कृति की संवाहिका और भविष्य की निर्माता माना गया है। बहन का व्यक्तित्व केवल अपने भाई या परिवार तक सीमित नहीं रहता, वह आने वाली पीढ़ियों के संस्कारों का निर्माण करती है। उसके व्यक्तित्व में करुणा, सहनशीलता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुण समाज को मानवीय बनाते हैं। इसी व्यापक दृष्टि को साकार करने की दिशा में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा 1 अगस्त 2026 को जैन विश्व भारती, लाडनूं में राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में आयोजित 'बेटी तेरापंथ की' चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी अध्याय बनकर उभरा। राष्ट्रीय बहन दिवस की भावना के अनुरूप आयोजित यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि नारी चेतना, बहन संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण का सशक्त अभियान था।

देश के विभिन्न राज्यों से हजारों बेटियों और बहनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय नारी केवल परिवर्तन की साक्षी नहीं, बल्कि परिवर्तन की सबसे बड़ी वाहक है। सम्मेलन में उपस्थित प्रत्येक बेटी और बहन अपने साथ केवल उत्साह नहीं लाई थी, बल्कि संस्कार, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक नया संकल्प लेकर आई थी। यह दृश्य भारतीय संस्कृति के उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत था, जिसमें नारी केवल सम्मान की पात्र नहीं, बल्कि समाज-निर्माण की सक्रिय भागीदार है। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहाँ नारी सशक्तिकरण को केवल अधिकारों की भाषा में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, संस्कार, नेतृत्व और आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ा गया। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए यह संदेश दिया गया कि वास्तविक सशक्तिकरण वही है जो व्यक्ति को आत्मविश्वासी बनाए, परिवार को सुदृढ़ करे, समाज को संगठित करे और राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाए।

राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी के प्रेरणादायी सान्निध्य ने इस सम्मेलन को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। आचार्यश्री का संपूर्ण जीवन नारी गरिमा, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, आत्मानुशासन और मानवीय चेतना के विकास के लिए समर्पित रहा है। उनके मार्गदर्शन में चल रहे अनेक कार्यक्रमों ने समाज में यह विश्वास जगाया है कि नारी केवल घर की शक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के चरित्र निर्माण की आधारशिला है। उनके संदेशों में बार-बार यह भाव उभरता है कि यदि नारी शिक्षित, संस्कारित, आत्मविश्वासी और मूल्यनिष्ठ होगी तो परिवार, समाज और राष्ट्र स्वयं सुदृढ़ बन जाएगा। इस अवसर पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री महेंद्र नाहटा ने अत्यंत सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'नारी के बिना राष्ट्र की प्रगति अधूरी है। जिस समाज ने अपनी बेटियों और बहनों को अवसर, सम्मान और संस्कार दिए हैं, वही समाज स्थायी विकास की दिशा में आगे बढ़ा है। आचार्य श्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में चल रहे नारी उत्थान के विविध कार्यक्रम केवल महिलाओं को सशक्त नहीं बना रहे, बल्कि पूरे समाज में नैतिक जागरण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार बन रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'बेटी तेरापंथ की' केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि ऐसी वैचारिक यात्रा है जो बेटियों और बहनों को आत्मगौरव, नेतृत्व, सेवा और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रही है।

वास्तव में भारत की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है और भारतीय संस्कृति का सबसे सुंदर स्वरूप उसके पारिवारिक संबंधों में दिखाई देता है। बहन का रिश्ता केवल राखी के धागे तक सीमित नहीं है, वह विश्वास, सहयोग, प्रेरणा और नैतिक शक्ति का ऐसा सूत्र है जो परिवारों को टूटने नहीं देता। यदि हर बेटी अपने संस्कारों से एक परिवार को प्रकाशित करती है, तो हर बहन अपने व्यवहार से समाज में संवेदनाओं का विस्तार करती है। आज आवश्यकता केवल महिलाओं को अवसर देने की नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया, सामाजिक नेतृत्व, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय विकास के केंद्र में स्थापित करने की है। जब बेटियां शिक्षा, संस्कार, आत्मनिर्भरता और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध होंगी, तभी भारत विश्वगुरु बनने की अपनी कल्पना को वास्तविकता में बदल सकेगा। आर्थिक विकास महत्वपूर्ण है, परंतु नैतिक विकास उसके बिना अधूरा है। और इस नैतिक विकास की सबसे बड़ी वाहक हमारी बेटियां और बहनें ही हैं।

राष्ट्रीय बहन दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि हम बहनों को केवल शुभकामनाएँ देकर अपने दायित्व की इतिश्री न समझें, बल्कि उन्हें शिक्षा, सम्मान, समान अवसर, सुरक्षा और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करें। परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने का अवसर मिले, समाज में उनकी प्रतिभा को मंच मिले और राष्ट्र उन्हें विकास की साझेदार बनाएकृयही इस दिवस की सार्थकता है। 'बेटी तेरापंथ की' सम्मेलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब धार्मिक संस्कार, सामाजिक चेतना और आधुनिक नेतृत्व एक साथ चलते हैं, तब परिवर्तन केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह जीवन का आंदोलन बन जाता है। यह सम्मेलन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा और यह संदेश देता रहेगा कि बहन केवल रिश्ते का नाम नहीं, बल्कि संस्कृति की सबसे सशक्त प्रतिनिधि है।

भारतीय संस्कृति में बहन केवल एक पारिवारिक संबंध नहीं, बल्कि स्नेह, त्याग, मर्यादा, ममता और मंगलकामना की सजीव प्रतिमूर्ति मानी गई है। उसे घर की लक्ष्मी, कुल की गरिमा, संस्कारों की वाहक, प्रेम की पावन धारा और परिवार की आत्मीय शक्ति के रूप में सम्मानित किया गया है। बहन का स्नेह निःस्वार्थ होता है, उसका आशीर्वाद अमूल्य होता है और उसका विश्वास जीवन के कठिनतम क्षणों में भी संबल प्रदान करता है। वह भाई के जीवन में प्रेरणा, संवेदना, करुणा और आत्मीयता का ऐसा स्रोत है, जो रिश्तों को केवल रक्त से नहीं, बल्कि हृदय के अटूट बंधन से जोड़ता है। भारतीय परंपरा में बहन को शुभता, सौभाग्य, वात्सल्य और संरक्षण का प्रतीक माना गया है। रक्षाबंधन एवसं भाईदूज जैसे पावन पर्व इस पवित्र संबंध की गरिमा को और अधिक ऊँचा उठाते हैं, जहाँ बहन केवल रक्षा का सूत्र नहीं बाँधती, बल्कि अपने प्रेम, विश्वास और मंगलकामनाओं से भाई के जीवन को आलोकित करती है। बहन परिवार की संस्कृति की संवाहिका, मूल्यों की संरक्षिका और स्नेह की अविरल सरिता है। उसके सम्मान में जितने भी विशेषण कहे जाएँ, वे कम हैं, क्योंकि बहन वास्तव में ईश्वर की वह अनुपम देन है, जो जीवन को प्रेम, अपनत्व, संवेदना और पवित्रता से समृद्ध कर देती है।

आज राष्ट्रीय बहन दिवस पर संपूर्ण राष्ट्र को यह संकल्प लेना चाहिए कि हर बेटी को सम्मान मिलेगा, हर बहन को अवसर मिलेगा और हर नारी को उसके व्यक्तित्व की पूर्ण अभिव्यक्ति का अधिकार मिलेगा। यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव होगी। जिस दिन भारत की प्रत्येक बेटी आत्मविश्वास, संस्कार और नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगी, उसी दिन राष्ट्र की प्रगति नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगी। बहन का सम्मान केवल एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए। क्योंकि जहाँ बहनों का सम्मान होता है, वहाँ परिवारों में संस्कार खिलते हैं, समाज में संवेदनाएँ जीवित रहती हैं और राष्ट्र अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है। यही राष्ट्रीय बहन दिवस का संदेश है, यही 'बेटी तेरापंथ की' सम्मेलन की उपलब्धि है और यही नए भारत के निर्माण का सबसे सशक्त मार्ग भी है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

अब हवाई 'नाका'

भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षडयंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर वह छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक के संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या 'हवाई नाके, लगाने का यह फैसला,सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफ सामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं। यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचाने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी,एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी हकीकत है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह अपना नेटवर्क समय के साथ नई तकनीकों के जरिये बदलते रहते हैं। जिसके लिये वे बड़े ड्रोन, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और लगातार बदलती रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए नई तकनीक के साथ-साथ लगातार खुफिया जानकारी जुटाने तथा तस्करी करने वाले गिरोहों को खत्म करने के लिये निरंतर मजबूत फाइनेंशियल जांच जरूरी है। इसके अलावा इनके मददगार लोगों पर तेजी से कानूनी कार्रवाई करना भी जरूरी है।

फ्रैंडशिप बैंड से कहीं बड़ा है मित्रता का बंधन

(लेखिका - श्वेता गोयल /ईएमएस)

डिजिटल दौर में सच्चे मित्र की तलाश

(मित्रता दिवस (2 अगस्त) पर विशेष)

मित्रता केवल एक शब्द या दो व्यक्तियों के बीच का सामान्य संबंध नहीं है, यह वह अदृश्य और पवित्र पुल है, जो दो हृदयों को बिना किसी स्वार्थ और शर्त के आपस में जोड़ता है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में मनाया जाने वाला मित्रता दिवस केवल बधाई संदेशों, फ्रैंडशिप बैंड या उपहारों के आदान-प्रदान का एक औपचारिकता मात्र अवसर नहीं बल्कि उस अनमोल, अलौकिक और आत्मिक रिश्ते का उत्सव है, जो रक्त संबंधों की सीमाओं से परे जाकर केवल विश्वास, समर्पण, संवेदना और अपार आत्मीयता से निर्मित होता है। भारतीय संस्कृति में मित्रता को सदैव जीवन का अमूल्य धन और सर्वोच्च आभूषण माना गया है। हमारे प्राचीन धर्मग्रंथों, कालजयी महाकाव्यों और समृद्ध लोक परंपराओं में मित्रता को धर्म, कर्तव्य और मानवता के उच्चतम नैतिक मूल्यों से सीधा जोड़ा गया है। आज के इस तीव्र गति से बदलते और डिजिटल होते युग में, जहां मानवीय रिश्ते स्क्रीन के पीछे सिमटकर केवल आभासी होते जा रहे हैं, मित्रता दिवस हमें सच्चे, जीवंत और आत्मीय मित्रों के वास्तविक महत्व का पुनः स्मरण कराने का एक सशक्त माध्यम बनता है।

मित्रता दिवस की अवधारणा और इसे मनाने की परंपरा के पीछे एक अत्यंत रोचक और महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि है। वैश्विक स्तर पर यह दिवस दो अलग-अलग तिथियों पर मनाया जाता है, जिससे अक्सर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। 30 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 'अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस' मनाया जाता है, जिसका मूल उद्देश्य संपूर्ण विश्व में शांति, सांस्कृतिक सद्भाव, बंधुत्व और विभिन्न राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके ठीक विपरीत, भारत, नेपाल, बांग्लादेश और मलेशिया सहित दुनिया के अनेक सामाजिक तंत्रों में अगस्त माह के पहले रविवार को मित्रता दिवस के रूप में मनाने की सुदृढ़ सामाजिक परंपरा विकसित हुई। इस वर्ष भारत में यह दिवस 2 अगस्त को मनाया जा रहा है।

भारतीय दृष्टिकोण से मित्रता केवल कोई सामाजिक व्यवस्था या समय बिताने का जरिया नहीं बल्कि एक अत्यंत गहरा आध्यात्मिक और नैतिक मूल्य है। यहां 'मित्र' शब्द का तात्पर्य केवल साथ उठने-बैठने या मनोरंजन करने वाले साथी से नहीं बल्कि उस निस्वार्थ शुभचिंतक से है, जो आपको जीवन में सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे, विपरीत से विपरीत संकट के क्षणों में अडिग ढाल बनकर खड़ा रहे और आपकी सफलता तथा उन्नति में बिना किसी ईर्ष्या या द्वेष के सहज प्रसन्नता का अनुभव करे। भारतीय इतिहास और पौराणिक वांग्मय में मित्रता की ऐसी अनेक अनूठी और भावविभोर कर देने वाली मिसालें मिलती हैं, जो युगों-युगों से संपूर्ण मानवता का मार्गदर्शन करती आ रही हैं। इनमें भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता को भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च और सर्वोत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। महाभारत के महासमर में श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच की मित्रता भी केवल दो व्यक्तियों का आपसी लगाव नहीं बल्कि धर्म, कर्तव्य, मार्गदर्शन और आदर्श का अत्यंत प्रगाढ़ स्वरूप है। इसी प्रकार, रामायण महाकाव्य में भगवान श्रीराम और वनवासी निषादराज गुह की मित्रता सामाजिक समरसता, समानता और निश्छल प्रेम का महानतम संदेश प्रस्तुत करती है। भारतीय लोकजीवन और ग्रामीण चेतना में मित्रता को परिवार के ही समान उच्च और आदरणीय स्थान प्रदान किया गया है। हालांकि, वर्तमान दौर में आधुनिकता, तकनीकी प्रगति और तीव्र गति से बदलती जीवनशैली के कारण मित्रता का मूल स्वरूप और ढांचा बहुत तेजी से बदल रहा है। सोशल मीडिया और डिजिटल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म्स के दौर में जमीनी और वास्तविक जीवन में सच्चे, विश्वसनीय और संवेदी मित्रों की संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। मित्र केवल समय बिताने या केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते बल्कि वे जीवन के सबसे मुश्किल पड़ाव पर भावनात्मक सुरक्षा और आत्मबल का सबसे बड़ा आधार स्तंभ होते हैं। मित्रता दिवस का व्यापक महत्व केवल व्यक्तिगत दायरे या दो लोगों के आपसी संबंधों तक ही सीमित नहीं है, यह संपूर्ण समाज में सहिष्णुता, भ्रातृत्व, समानता, आपसी सहयोग और सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को भी मजबूती प्रदान करता है। मित्रता दिवस को वास्तव में सार्थक और उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए केवल औपचारिक शुभकामनाएं देना, महंगे उपहार भेंट करना या सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करना ही काफी नहीं है बल्कि किसी बरसों पुराने छूटे हुए मित्र को अचानक फोन करके उसकी आवाज सुनना, पुरानी अनबन या गलतफहमियों को भुलाकर टूटे हुए रिश्तों को फिर से जोड़ना, किसी समाज में अलग-थलग पड़े अकेले व्यक्ति का हाल-चाल पूछना, किसी मित्र के कठिन समय में बिना मांगे उसके पीछे चट्टान की तरह खड़े होना या दिल से धन्यवाद का एक सच्चा और निश्छल संदेश भेजना ही इस दिवस का वास्तविक और सच्चा उत्सव हो सकता है।

हमारी महान भारतीय संस्कृति हमें युगों-युगों से यही अनुपम सीख देती आई है कि मित्रता किसी अपेक्षा या लेन-देन का सौदा नहीं बल्कि संपूर्ण समर्पण है। सच्चा मित्र वही है, जो आपकी सफलता और उन्नति पर दिल से प्रसन्न हो और आपके संघर्ष तथा पराजय के क्षणों में सबसे पहले आपकी ढाल बनकर खड़ा दिखाई दे। मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का सीधा संबंध मात्र नहीं है बल्कि यह पूरी मानवता को एक सूत्र में पिरोने वाला सबसे सुंदर, पवित्र और शाश्वत सेतु है। इसलिए, इस मित्रता दिवस पर केवल औपचारिकता निभाने या फ्रैंडशिप बैंड बांधने तक सीमित न रहें बल्कि अपने जीवन में श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी निस्वार्थ, अटूट, निष्छल और जीवनभर साथ निभाने वाली सच्ची मित्रता का संकल्प लें।

(लेखिका डेढ़ दशक से अधिक समय से शिक्षण क्षेत्र में सक्रिय शिक्षाविद हैं)

चिंतन मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है।

व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।

क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

विचार मंथन

ट्रंप का इजराइल और हमास के बीच समझौते का ऐलान

(लेखक - -सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ा दावा किया है। इस दावे में उन्होंने कहा है, इजराइल और हमास के बीच में जल्द ही समझौता होने जा रहा है। हमास और उसके दूसरे सभी हथियारबंद संगठन अपने हथियार छोड़ने पर सहमत हो गए हैं। इजराइल भी ग़ाज़ा से हटाने के लिए तैयार हो गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा, कि गाजा का कंट्रोल अब फिलिस्तीन सरकार के हाथ में होगा। दोनों लोग मिलकर बोर्ड ऑफ पीस के साथ मिलकर काम करेंगे। इस समझौते के बाद इजराइल और गाजा के बीच में स्थाई शांति स्थापित होगी। एक-दूसरे के ऊपर कोई हमले नहीं होंगे। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि यह समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे ही हमास अपने हथियार छोड़ेगा इजराइल की सेना गाजा से वापस होना शुरू हो जाएगी। नई व्यवस्था फिलिस्तीन पुलिस गाजा के हाथ में होगी। टाइम्स ऑफ़ इजराइल के अनुसार हमास के हथियार छोड़ने के 14 दिन के भीतर यह प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस समझौते की टाइमलाइन तय की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि 20 सूत्रीय गाजा प्लान का यह सबसे अहम हिस्सा है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो बोलते हैं उसमें कितना सच होता है और कितना झूठ होता है यह उनके अलावा कोई नहीं जानता है। कुछ यही स्थिति इजराइल की है। जब-जब इजराइल ने इस तरह के समझौते किए, जैसे ही सामने वाला पक्ष समझौते के अनुसार प्रक्रिया शुरू करता है उसके बाद उसके ऊपर हमले शुरू हो जाते हैं। दुश्मन को अंधेरे में रखकर हमले करने की यह रणनीति इजराइल और अमेरिका सबसे ज्यादा उपयोग में लाते हैं। यह पिछले कई वर्षों की कार्रवाई से साबित हो चुका है। ईरान और अमेरिका के बीच में जो समझौता हुआ था, उसमें इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने समय-समय पर पलीता लगाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। पीछे से अमेरिका भी इस रणनीति का समर्थन कर रहा था। पहले भी इजराइल और फिलिस्तीनियों तथा हमास के बीच कई समझौते हो चुके हैं। हर समझौते के बाद हमला करना इजराइल की रणनीति का हिस्सा था। इजराइल ने जिस तरह से ग़ाज़ा में नरसंहार किया है, महिलाओं और छोटे-छोटे बच्चों को मौत के घाट में उतारा है। वहां पर लोग भूखे मर गए। इजराइल ने वहां रसद नहीं जाने दी। इन सब बातों को देखते हुए ट्रंप ने जो दावा किया है वह कितना सही है, कहना मुश्किल है। जिस तरह से ईरान और अमेरिका के बीच में युद्ध हुआ, उसमें खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को जो नुकसान पहुंचा है, इजराइल को भी भारी नुकसान हुआ है, इससे साफ है कि ईरान ने अमेरिका और इजराइल को दिन में तारे दिखा दिए हैं।

ऐसी स्थिति में अमेरिका और इजराइल को अब नई रणनीति अपनाना पड़ रही है। अमेरिका और इजराइल अब हमास से भी बात कर रहे हैं। फिलिस्तीनियों से भी बात कर रहे हैं। इस लड़ाई में अमेरिका और इजराइल को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई करने में उन्हें कई वर्ष लगेंगे। वर्तमान स्थिति में ईरान अमेरिका इजराइल फिलिस्तीन हमास खाड़ी के सभी देश लगातार नुकसान से अब घबरा चुके हैं। लड़ने के लिए किसी के पास शक्ति नहीं बची है, जो कुछ शक्ति है वह वर्तमान में ईरान के पास है। ईरान को रूस और चीन का सहयोग मिला है। हार्मोज ईरान के लिए वरदान साबित हुआ है। पिछले पांच दशक से ईरान को सबने मिलकर प्रतिबंध की आड़ में कमजोर करने का हर संभव प्रयास कर लिया। अब समय बदल गया है। ईरान अब मुख्य भूमिका में है। रूस और चीन से जो समर्थन उसको मिल रहा है, उसके बाद अमेरिका और इजराइल के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है कि वह शांति की ओर आगे बढ़े लेकिन अभी भी वह बदमाशी करेंगे तो इसका दुष्परिणाम इस बार उन्हें भारी पड़ने वाला है। ईरान पूरी तरह से सजग है। ट्रंप ने जिस तरह से टैरिफ का आतंक सारी दुनिया के देशों में फैलाया था, उससे अमेरिका की विश्वसनीयता और डोनाल्ड ट्रंप के रोजाना नए-नए झूठ बोलने से डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर सहज रूप से विश्वास नहीं किया जा सकता है। आशा है डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जो समझौता करने जा रहे हैं, उसे ईमानदारी के साथ लागू करें। तभी दुनिया में शांति स्थापित होगी। अमेरिका और इजराइल मैं भी शांति बनी रहेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

1991 के सुधारों से बदला भारत का ऑटो सेक्टर- मुट्ठी भर कंपनियों से वैश्विक हब तक

मुंबई ।

भारत का वाहन उद्योग कभी चंद कंपनियों के दबदबे वाला बाजार था, जहाँ बाहरी खिलाड़ियों को प्रवेश की अनुमति नहीं थी। मगर 1991 के ऐतिहासिक आर्थिक सुधारों ने बंद पड़े बाजार को वैश्विक वाहन निर्माण के सबसे बड़े केंद्रों में से एक बना दिया। दशकों से अनेक बाधाओं से जूझ रहे इस क्षेत्र में उदारीकरण के साथ ही विदेशी निवेश, विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी और तीव्र प्रतिस्पर्धा का दौर शुरू हुआ। बाजार के खुलने से घरेलू कंपनियों पर अपने उत्पादों को उन्नत बनाने का दबाव बढ़ा, जिसके परिणामस्वरूप एक मजबूत कलपुर्जा उद्योग विकसित हुआ और ग्राहकों को ढेरों विकल्प मिले। आज, उदारीकरण के 35 साल बाद, वाहन क्षेत्र इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि आर्थिक सुधारों ने भारतीय विनिर्माण की तस्वीर कैसे बदल दी।यद्यपि भारत की व्यापक अर्थव्यवस्था 1991 में खोली गई, वाहन उद्योग को लाइसेंस व्यवस्था से वास्तविक मुक्ति 1993 में मिली। विदेशी निवेश पर लगे प्रतिबंधों को कम किया गया ताकि वैश्विक कार निर्माता आसानी से प्रवेश कर सकें। हालांकि, इसका असर तुरंत नहीं दिखा। जानकार बताते हैं कि नई नीतियां लागू होने पर उनका प्रभाव तुरंत सामने नहीं आता।

वैश्विक कंपनियों को बाजार को समझने, सरकारों से संवाद स्थापित करने, कारखाने लगाने और आपूर्तिकर्ताओं का नेटवर्क तैयार करने में समय लगता है। इसीलिए वाहन उद्योग पर उदारीकरण का असली प्रभाव 6-7 साल बाद ही नजर आया। 1990 के दशक के अंत तक, फोर्ड, होंडा, जनरल मोटर्स, हुंडई, टोयोटा और दाएवू जैसी कई नामी-गिरामी कार कंपनियों ने भारतीय बाजार में कदम रखा। ये कंपनियां उस समय दुनिया के अंतिम बड़े और अछूते वाहन बाजार में मौजूद विशाल संभावनाओं से आकर्षित होकर भारत आईं थीं।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच घटे एलपीजी गैस के दाम, क्या पेट्रोल-डीजल के दाम भी होंगे कम?

नई दिल्ली, ।

ईरान संकट के बीच देशवासियों को महीने के पहले दिन ही महंगाई से बड़ी राहत मिली। दिल्ली से लेकर पटना-कोलकाता तक एलपीजी गैस के दाम में बड़ी गिरावट हुई। 1 अगस्त को 19 किलो वाले करमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपए से ज्यादा की कटौती हुई है। यह नई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। हालांकि, घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटने का सीधा असर कारोबारियों पर पड़ता है। इससे छोटे व्यापारियों और होटल उद्योग को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, आम लोगों के लिए फिलहाल डायरेक्ट कोई राहत नहीं है।

कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कमी से एक संकेत की आहट सुनाई दे रही है। वह यह कि क्या घरेलू एलपीजी सिलेंडर के भी दाम घटेंगे? क्या कमर्शियल एलपीजी गैस के दाम में कमी के बाद अब पेट्रोल-डीजल की बारी है? जिस तरह से कमर्शियल गैस की कीमतों में कमी हुई है, उससे यह उम्मीद की जा सकती है कि आने वाले दिनो में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो सकते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हुए हैं। बहरहाल, यहां स्पष्ट करना जरूरी है कि तेल कंपनियों या सरकार की ओर से पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

बता दें पेट्रोल और डीजल की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं। इनमें ग्लोबल बाजार में कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और टैक्स समेत अन्य खर्च शामिल हैं। इसलिए कमर्शियल एलपीजी की कीमत घटने का मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल और डीजल के दाम भी तुरंत कम हो जाएंगे। सरकार ग्लोबल मार्केट के पैटर्न को पहले समझेगी। कच्चे तेल की कीमतों का हिसाब लगाएगी, तब जाकर सस्ता-महंगा का हिसाब हो पाएगा।

केंद्र ने राज्यों को जारी किए 1.09 लाख करोड़ रुपए, पूंजीगत खर्च और विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली,

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया कि आकलन वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए 31 जुलाई की अंतिम तिथि तक 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए। विभाग ने समय पर रिटर्न दाखिल करने वाले सभी करदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इसे देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आयकर विभाग ने कहा, ÷धन्यवाद, करदाताओं! एवाई 2026-27 के लिए 31 जुलाई तक 5.9 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए। आपका विश्वास और समय पर कर अनुपालन भारत की विकास यात्रा को गति देता है।

अगस्त माह में 14 दिन रहेंगे बैंक बंद, कुछ राज्यों में खास दिन भी रहेगी छुट्टी

नई दिल्ली।

इस महीने बैंक करीब आधा महीना बंद रहेंगे. ऐसा न हो कि आप बैंक ब्रांच चले जाएं और उस दिन बैंक की छुट्टी हो और आपको बैरंग वापस लौटना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक के छुट्टी के कैलेंडर के मुताबिक साप्ताहिक अवकाश और कुछ प्रमुख त्योहारों और दिवसों के चलते बैंक इस महीने 14 दिन बंद रहेंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पीएनबी और केनरा बैंक जैसे सरकारी बैंकों से लेकर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई और एक्सिस बैंक जैसे प्राइवेट बैंक भी बंद रहेंगे। सभी राज्यों में 14 दिन बैंक बंद नहीं रहेंगे। कुछ छुट्टियां क्षेत्रीय स्तर की होने से कुछ खास दिन किसी एक राज्य में तो अवकाश हो सकता है लेकिन दूसरे राज्य में बैंक खुले रहेंगे।

2 अगस्त (रविवार) साप्ताहिक छुट्टी की वजह से पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। 4 अगस्त केर पूजा पर केवल अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 8 अगस्त शनिवार को महीने के दूसरे शनिवार की वजह से देशभर में बैंक अवकाश रहेंगे। 9 अगस्त रविवार पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 13 अगस्त पैट्रियट्स डे की वजह से इंफाल में बैंक बंद रहेंगे। 15 अगस्त शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर बैंकों की छुट्टी रहेगी। 16 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 19 अगस्त को महाराजा बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर जयंती की

वजह से अगरतला में बैंक बंद रहेंगे। 22 अगस्त शनिवार महीने का चौथे शनिवार की साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 23 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी। 25 अगस्त को मिलाद-उन-नबी/पहला ओणम (कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे। 26 अगस्त को ईद-ए-मिलाद/तिरुवोनम की वजह से दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, भोपाल, बेंगलुरु समेत कई बड़े शहरों में बैंक बंद रहेंगे।

28 अगस्त को रक्षाबंधन/श्री नारायण गुरु जयंती की वजह से बैंक में अवकाश रहेगा 30 अगस्त रविवार को पूरे देश में साप्ताहिक छुट्टी रहेगी।

सीबीआई का अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल पर बड़ा एक्शन, ईपीएफओ के 1,816 करोड़ रुपए के निवेश घोटाले में दर्ज किया एफआईआर

नई दिल्ली,

1 अगस्त (आईएएनएस)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड, उसके पूर्व चेयरमैन अनिल अंबानी, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ 1,816.22 करोड़ रुपए के कथित ईपीएफओ निवेश घोटाले में एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी का आरोप है कि आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और भ्रष्टाचार से जुड़े अपराधों के जरिए 1,007.55 करोड़ रुपए का गलत नुकसान पहुंचाया गया, जबकि इस पर 808.67 करोड़ रुपए की ब्याज देनदारी भी जुड़ गई। सीबीआई के अनुसार, यह एफआईआर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की लिखित शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 2013 और 2014 के दौरान रिलायंस कैपिटल लिमिटेड ने सिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) जारी किए थे, जिनमें ईपीएफओ ने चार पोर्टफोलियो मैनेजरों, जिनमें रिलायंस कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड भी शामिल थी, के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपए का निवेश किया था। इन एनसीडी की परिपक्वता (मेच्योरिटी) 2023 और 2024 में होनी थी। हालांकि, शिकायत के अनुसार आरोपियों ने कथित तौर पर फर्जी लेनदेन किए और निवेश की गई राशि का दुरुपयोग तथा दूसरी जगह डायवर्ट किया। इसके कारण रिलायंस कैपिटल एनसीडी का भुगतान (रिडेम्शन) नहीं कर सकी, जिससे ईपीएफओ को कुल 1,816.22 करोड़ रुपए का कथित नुकसान हुआ।

माह के पहले दिन सरकार का तोहफा, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के घटाए दाम

14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, ।

अगस्त शुरु होते ही खुशखबरी आई। सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट घटा दिए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में कीमत 202 रुपए की कटौती की गई है। कोलकाता में रेट 209 रुपए घटाया गया है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है।कमर्शियल सिलेंडर का रेट घटने से रेस्टोरेंट, होटल और चाय का ठेला लगाने वाले ऐसे लोगों को फायदा होगा। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर अब दिल्ली में अब 2,728 रुपए में मिलेगा। पहले इसका रेट 2,930 था। पटना में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का रेट 209 रुपए कम होकर अब 3,018 रह गया है। पहले यह 3,227 का था। लखनऊ में 2,860.50 रुपए का मिलेगा। इस बार घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और उपभोक्ताओं को पहले की ही दरों पर सिलेंडर मिलेगा।

आरबीआई की स्वैप योजना से बैंकों ने जुटाए रिकॉर्ड 41 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नई रियायती स्वैप सुविधा को बैंकों और निवेशकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है, जिसके तहत 31 जुलाई तक देश के बैंकों ने करीब 41 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है। यह रकम मुख्य रूप से एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट से आई है, जिससे 36.7 अरब डॉलर जुटाए गए। इसके अलावा, ओवरसीज फॉरेन करंसी बॉरोइंग (ओएफसीबीएस) के जरिए 2.57 अरब डॉलर और एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबीएस) के माध्यम से 1.5 अरब डॉलर का फंड मिला। खास बात यह है कि योजना शुरू होने के दो महीने से भी कम समय में 2013 के 34 अरब डॉलर के एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट रिकॉर्ड को तोड़ चुकी है। आरबीआई को इस स्कीम में उम्मीद से कहीं बेहतर रिस्पॉन्स मिला है, खासकर जुलाई के दूसरे पखवाड़े में फंड जुटाने की रफ्तार में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जहां 17 जुलाई तक इस स्कीम के तहत सिर्फ 20.72 अरब डॉलर ही जुटाए गए थे, वहीं महज कुछ दिनों में यह आंकड़ा 41 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बाजार के जानकार और एसबीआई रिसर्च ने भी अपने अनुमान बढ़ा दिए हैं; अब कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह 80 से 85 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें एफसीएनआर से 65 से 70 अरब डॉलर आने का अनुमान है।

इस फंड जुटाने में सरकारी बैंकों ने, खासकर अपने मजबूत नेटवर्क का फायदा उठाते हुए, बड़ी भूमिका निभाई है, वहीं एचएसबीसी जैसे बड़े विदेशी बैंकों ने भी अहम योगदान दिया। अगस्त और सितंबर में मैच्योर होने वाले पुराने एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट के नवीनीकरण से लगभग 10 अरब डॉलर की अतिरिक्त विदेशी मुद्रा आने की भी संभावना है।

झ्यह रियायती स्वैप सुविधा रुपये पर बढ़ते दबाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और डॉलर की बढ़ती मांग के बीच भारतीय रुपये को सहारा देने और देश के विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने की आरबीआई की रणनीति का हिस्सा है। इस स्कीम के तहत, आरबीआई बैंकों को डॉलर-रुपया स्वैप की सुविधा दे रहा है, जिससे उनके लिए विदेशों से डॉलर में फंड जुटाना पहले के मुकाबले काफी सस्ता हो गया है।

जुलाई में जीएसटी कलेक्शन ने बनाया नया रिकॉर्ड, 2.11 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली ।

देश की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए जुलाई का महीना बेहद उत्साहजनक खबर लेकर आया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन ने इस महीने एक नई ऊंचाई छूते हुए 2.11 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में सकल जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 15.4 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी के साथ 2.11 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया। रिफंड के बाद शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी 15.8 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल जुलाई के 1.83 लाख करोड़ रुपये (सकल) और 1.57 लाख करोड़ रुपये (शुद्ध) के मुकाबले काफी अधिक है, जो आर्थिक गतिविधियों में मजबूत वृद्धि का संकेत देता है।जुलाई के जीएसटी आंकड़े मुख्य रूप से जून महीने की आर्थिक लेन-देन और कारोबारी गतिविधियों को दर्शाते हैं। अगर जून के 1.95 लाख करोड़ रुपये के सकल कलेक्शन से तुलना करने पर जुलाई में यह आंकड़ा 8.4 फीसदी की तेज रफ्तार से बढ़ा है। इसी तरह, शुद्ध जीएसटी कलेक्शन भी जून के 1.62 लाख करोड़ रुपये से 11.6 फीसदी बढ़कर 1.81 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो लगातार बढ़ती आर्थिक गति का प्रमाण है।इस उछाल में सबसे बड़ा योगदान विदेश से होने वाले आयात पर लगने वाले टैक्स का रहा। आयात पर लगने वाला सकल जीएसटी सालाना आधार पर 28.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 66,511 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। वहीं, घरेलू कारोबार से मिलने वाला सकल जीएसटी कलेक्शन भी 10.1 फीसदी बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल जीएसटी रिफंड 13.1 फीसदी बढ़कर 29,968 करोड़ रुपये हो गया। चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल से जुलाई) में सकल जीएसटी कलेक्शन 10.1 फीसदी बढ़कर 8.43 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध कलेक्शन 9.2 फीसदी बढ़कर 7.21 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।टैक्स और अर्थव्यवस्था के जानकारों का मानना है कि घरेलू मांग में लगातार मजबूती, बढ़ते आयात और टैक्स नियमों के बेहतर पालन की वजह से जुलाई में जीएसटी कलेक्शन के इतने शानदार आंकड़े सामने आए हैं। जानकार के अनुसार, जीएसटी कलेक्शन में लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि साबित करती है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

आरबीआई एफडी ब्याज दरों के नियमों में कर रहा बदलाव, 1 अक्टूबर से होंगे लागू

इसका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और समान प्रोसेस तय करना

नई दिल्ली,। फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दर तय करने के नियमों को बदलने की तैयारी में है। इनका मकसद बल्क डिपॉजिट पर ट्रांसपरेंसी बढ़ाना और सभी ग्राहकों के साथ समान प्रोसेस तय करना है। ये नियम सिर्फ कमर्शियल बैंकों पर ही नहीं, बल्कि स्मॉल फाइनेंस बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, पेमेंट बैंक, लोकल एरिया बैंक और अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर भी लागू होंगे। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे यानी पूरे बैंकिंग सिस्टम में बड़े जमा पर ब्याज देने का तरीका अब पहले से ज्यादा बेहतर होगा।फिक्स्ड डिपॉजिट जिसमें एक बार में 3 करोड़ रुपए या उससे ज्यादा जमा किए जाते हैं। ऐसे निवेश आमतौर पर कंपनियां, बड़े कारोबारी, ट्रस्ट और हाई नेटवर्थ वाले लोग करते हैं। अब तक बैंक इन ग्राहकों से अलग-अलग बातचीत करके ब्याज दर तय कर लेते थे। कई बार एक ही रकम जमा करने वाले दो ग्राहकों को अलग-अलग ब्याज मिल जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियम के मुताबिक हर बैंक को हर कामकाजी दिन सुबह 10 बजे तक अपनी वेबसाइट पर बल्क डिपॉजिट की ब्याज दरें जारी करनी होंगी। अगर किसी वजह से देरी होती है, तो अधिकतम 10-10 बजे तक यह जानकारी देनी होगी। इसके बाद बैंक उसी दिन उसी रकम के बल्क डिपॉजिट पर सभी ग्राहकों को एक जैसी ब्याज दर देंगे। चाहे ग्राहक पुराना हो या नया, किसी भी शाखा में जाए, ब्याज दर समान रहेगी। बैंक वेबसाइट पर दिखाई गई दर से अलग ऑफर नहीं दे सकेंगे। इससे निजी सौदेबाजी और छिपी हुई डील पर रोक लगेगी।

फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर 3:40 बजे तक की

अब निवेशकों को क्लोजिंग के अलग-अलग शेड्यूल का पालन करना होगा

नई दिल्ली, ।

3 अगस्त 2026 से सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) योग्य फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) स्टॉक्स के लिए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) शुरू करेंगे, जिससे क्लोजिंग प्राइस तय करने का तरीका बदल जाएगा। इसके साथ ही फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट की ट्रेडिंग अवधि 10 मिनट बढ़ाकर शाम 3:40 बजे तक कर दी जाएगी। इस फैसले से ट्रेडर्स को अपने खुले सौदों की हेजिंग, इंट्राडे पोजिशन बंद करने, एक्सपायरी डे की अस्थिरता संभालने का मौका मिल जाएगा। इसके अलावा, क्लोजिंग ऑक्शन के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करने का अतिरिक्त समय भी मिलेगा।

इस नई व्यवस्था के तहत अब सभी शेयरों का बाजार एक ही समय पर बंद नहीं होगा। अगर आप गैर-एफएंडओ शेयरों में ट्रेडिंग करते हैं तो पहले की तरह ही टाइमिंग है यानी ट्रेडिंग 3:30 बजे तक चलेगी। इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। वहीं, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस शेयरों में नियमित ट्रेडिंग 3:15 बजे तक होगी, जिसके बाद 3:35 बजे तक क्लोजिंग ऑक्शन सेशन चलेगा। दूसरी ओर स्टॉक और इंडेक्स एफएंडओ की ट्रेडिंग 3:40 बजे तक जारी रहेगी। इसके बाद 3:50 से 4:00 बजे तक पोस्ट-क्लोज सेशन होगा।

पेनी स्टॉक निवेशकों को इस बार देगी सात बोनस शेयर, रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं

2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था

नई दिल्ली, ।

पेनी स्टॉक जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने का फैसला किया है। सात महीने में कंपनी दूसरी बार बोनस शेयर दे रही है। इस बार कंपनी की तरफ से सात शेयर बोनस के तौर पर मिलेंगे। बता दें इस पेनी स्टॉक का दाम शुक्रवार को मार्केट क्लोजिंग के समय पांच रुपये से भी कम था। स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी में पेनी स्टॉक ने बताया कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले 24 शेयर पर सात शेयर बोनस के तौर पर निवेशकों को मिलेगा। इस बोनस इश्यू के लिए जोनजुआ ओवरसीज लिमिटेड ने अभी रिकॉर्ड डेट का फैसला नहीं किया है।आखिरी बार कंपनी के शेयर 2026 में एक्स-बोनस ट्रेड किए थे। तब योग्य निवेशकों को 40 शेयर पर पांच शेयर बोनस के तौर पर मिला था। 2023 में कंपनी ने 50 शेयर पर 9 शेयर बोनस के तौर पर दिया था। 2022 में कंपनी की तरफ से 23 शेयर पर 4 शेयर बोनस मिला था। 2021 में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 37 शेयर पर पांच शेयर बोनस दिया था। बता दें पेनी स्टॉक की तरफ से पहली बार निवेशकों को 2019 में बोनस शेयर दिया गया था। तब कंपनी ने 25 शेयर पर 1 शेयर बोनस दिया था। कंपनी ने 2025 में निवेशकों को डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 0.10 रुपए का डिविडेंड दिया था।रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.57 फीसदी की गिरावट के बाद 3.75 रुपए के स्तर पर बंद हुआ था। बीते दो हफ्ते कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। एक साल में इस स्टॉक का दाम 55 फीसदी गिरा है।

देश के सात प्रमुख शहरों में अपार्टमेंट बिक्री तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट हुई

बैंगलुरु ने मुंबई-दिल्ली को पीछे छोड़ा, वहां सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट बिके

नई दिल्ली, ।

देश में अपार्टमेंट और फ्लैट की बिक्री में बूम आ रहा है। खासकर शहरी इलाकों में अपार्टमेंट ही खरीदी लोगों की पहली पसंद बन गई हैं। हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश के सात प्रमुख शहरों में साल 2026 की पहली छमाही में अपार्टमेंट बिक्री सालाना आधार पर तीन फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट पहुंच गई। बैंगलुरु में सबसे ज्यादा 35,017 अपार्टमेंट की बिक्री हुई।

अभी तक दिल्ली-एनसीआर और मुंबई के दबदबे को बैंगलुरु ने चुनौती दी है।

आंकड़ों के मुताबिक देश के आवासीय बाजार ने इस साल की पहली छमाही में मजबूती दिखाई। सात प्रमुख शहरों में आवासों की बिक्री सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़कर 1,38,382 यूनिट रही। इन सात शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता शामिल हैं। मुंबई में मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे शहर और नवी मुंबई शामिल हैं, जबकि दिल्ली-एनसीआर में दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और सोहना शामिल हैं।

आंकड़ों में केवल अपार्टमेंट को शामिल किया गया है। रॉ-हाउस, विला और भूखंड आधारित परियोजनाओं को इसमें शामिल नहीं किया है।

जनवरी-जून की अवधि में बैंगलुरु में अपार्टमेंट की बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी से बढ़कर 35,017 यूनिट पहुंच गई, जो व्यापक चुनौतियों के बावजूद बाजार की मजबूती को दर्शाता है। इस दौरान नए फ्लैट की सप्लाई भी 41 फीसदी बढ़कर 48,748 यूनिट हो गई। आवासीय सेवाओं के प्रमुख ने कहा कि लगातार शहरीकरण, बुनियादी ढांचा विकास और बढ़ती डिमांड के कारण हाउसिंग सेग्मेंट के बुनियादी कारक मजबूत बने हुए हैं और यही मकान खरीदने के फैसलों को बढ़ावा दे रहे हैं। ग्राहकों को अपार्टमेंट में ज्यादा बेहतर सुविधाएं मिलती हैं जिसकी वजह से उन्हें जमीन और विला वाले प्रोजेक्ट के मुकाबले इस तरह की हाउसिंग की डिमांड ज्यादा रहने लगी है।

त्योहारों से पहले लोगों को लगेगा झटका! टूथपेस्ट, सर्फ, पेंट सब हो जाएंगे महंगे

कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की कर रहीं तैयारियां

नई दिल्ली, ।

मानसून विदा होते ही भारतीय त्योहारों की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। घर के रंग-रोगन कराने से लेकर रसोई में नए साज-सामान लाने की योजना बनने लगेगी, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव आने वाले त्योहारी सीजन में आम उपभोक्ता के जेब पर भारी पड़ सकता है। इसका कारण है कि टूथपेस्ट, कपड़े धोने के सर्फ और घर की दीवारों पर लगने वाले पेंट से लेकर टायरों तक के दाम बढ़ाने की कंपनियां तैयारी कर रही हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेस्टिव सीजन से पहले एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां लगातार दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की सोच रही हैं।

एक रिपोर्ट में अनुसान लगाया है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, हैवेल्स और डोडला डेयरी समेत कम से कम 8 बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स की कीमत बढ़ाएंगी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से कच्चे माल और कमोडिटी की लागत बढ़ गई है। इससे कंपनियों के खर्च में इजाफा हुआ है। बढ़े हुई कीमत का भार कंपनियां आम आदमी पर डालेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने संकेत दिया है कि अगले कुछ महीनों में डिटर्जेंट और बर्तन धोने वाले बार जैसे उत्पादों की कीमतों में सीमित बढ़ोतरी की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

टेस्ट सीरीज से पहले भारत के लिए खुशखबरी

फिट हुआ टीम इंडिया का धाकड़ खिलाड़ी बुमराह

नई दिल्ली। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इसके लिए टीम इंडिया के स्क्वाड का भी ऐलान हो चुका है। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का टीम में चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर हुआ था। अब इनमें से एक खिलाड़ी पूरी तरह फिट हो गया है और टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया को खुशखबरी मिली है। जानकारी के मुताबिक भारत के स्टार तेज

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। पीटीआई की जानकारी के मुताबिक तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। अब उन्हें बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने की अनुमति दे दी है। बुमराह को उनकी फिटनेस के आधार पर भारतीय टीम में शामिल किया गया था। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, 'जसप्रीत बुमराह चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने फिटनेस से जुड़े सभी टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह श्रीलंका के खिलाफ दोनों मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह टीम रणनीति का अभिन्न अंग हैं।'

हर्षित, नितीश, सुंदर सीरीज से बाहर- भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। भारत को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने की दौड़ में बने रहने के लिए वर्तमान चक्र के शेष नौ टेस्ट मैचों में से सात मैच में जीत दर्ज करनी होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली श्रृंखला से पहले भारत के लिए श्रीलंका में श्रृंखला को 2-0 के अंतर से जीतना बहुत महत्वपूर्ण है।

इंडिया रॉयल्स का जीत से आगाज

बांग्लादेश को 19 रन से हराया; अंकतालिका में पाकिस्तान आखिरी पायदान पर

नई दिल्ली। जाम्बिया में खेली जा रही एशियन लीजेंड्स लीग 2026 के अपने पहले मुकाबले में इंडिया रॉयल्स की टीम ने बांग्लादेश टाइगर्स को मात दी है। इस मुकाबले में भारत के लिए नमन ओझा ने कप्तानी की। शिखर धवन, सुरेश रैना, अंबाती रायडू, हरभजन सिंह जैसे दिग्गज खिलाड़ी इस मुकाबले में नहीं उतरे थे। अब रविवार को भारत का अगला मैच पाकिस्तान पैंथर्स की टीम से होगा। उस मुकाबले में कांटे की भिड़ंत हो सकती है। इस मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान नमन ओझा ने टॉस जीतकर

पहले बल्लेबाजी चुनी थी। वह कुछ खास नहीं कर पाए थे और पारी की शुरुआत करते हुए 8 गेंद पर सिर्फ 1 रन बना सके। उनके बाद अभिषेक जलोटा 26 और असद पठान ने 22 रन की पारी खेली। अंत में सरुल कनवर ने नाबाद रहते हुए 40 रन की पारी खेली। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 135 रन बनाए। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। भारत के लिए शादाब जकाती सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। उनके अलावा अनुरीत सिंह ने किफायती गेंदबाजी के साथ-साथ दो विकेट भी झटके। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 12 रन ही दिए। अभिषेक जलोटा भी किफायती रहे। अभिषेक ने 3 ओवर में 11 रन देकर 1 विकेट झटका।

भारत-पाकिस्तान का महामुकाबला, धवन, रैना, पठान समेत कई दिग्गज होंगे एक्शन में- इसी के साथ भारत ने बांग्लादेश को 136 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। भारत के लक्ष्य के सामने बांग्लादेश टाइगर्स की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 116 रन ही बना सकी।

डेकाथलन में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने

तेजस्विन को घुटने में दिक्कत

जब तेजस्विन ने डेकाथलन की शुरुआत 100 मीटर इवेंट में 10.96 सेकेंड के साथ की तो ऐसा लगा कि घुटने में दिक्कत हो रही है, लेकिन लॉन्ग जंप के दूसरे इवेंट तक उन्होंने साबित कर दिया कि वे कहीं नहीं जा रहे हैं। तेजस्विन ने लॉन्ग जंप में 7.82 मीटकर का रिकॉर्ड बनाकर अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन है। इससे पहले उनका पर्सनल बेस्ट 7.67 मीटर था।

तेजस्विन शंकर ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट के बाद शानदार वापसी करते हुए इतिहास रच दिया। वह राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतकर डेकाथलन स्पर्धा में पदक हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए। तेजस्विन ने दस खेलों की इस स्पर्धा में 7976 अंक बनाये। उनका नेशनल रिकॉर्ड 8057 पॉइंट्स का है। लंबे समय से चली आ रही घुटने की समस्या के कारण तेजस्विन ने ग्लास्गो खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा से नाम वापिस ले लिया था। उन्होंने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य जीता था। इसके साथ ही वह दो राष्ट्रमंडल खेलों में अलग अलग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले भी पहले भारतीय बन गए।

शॉट पुट में औसत प्रदर्शन- शॉट पुट में तेजस्विन ने फिर से औसत प्रदर्शन किया और अपनी तीन कोशिशों में 13.09मीटर का बेस्ट थ्रो करके इवेंट को सातवें स्थान पर खत्म किया। फिर हाई जंप की बारी आई, जो शंकर का मजबूत पक्ष है। 2.29 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन घुटने की दिक्कत की वजह से उन्होंने 2.15 मीटर का बेस्ट जंप रिकॉर्ड किया और कुल 944 पॉइंट्स कमाए।

आठ इवेंट के बाद चौथे पर थे तेजस्विन- दिन के आखिरी इवेंट 400मीटर में तेजस्विन अपने पर्सनल बेस्ट 48.29 सेकेंड से काफी पीछे थे, लेकिन उन्होंने 49.51 सेकेंड का समय निकाला। पोल वॉल्ट में तेजस्विन ने 4.30 मीटर बहुत आसानी से पार कर लिया। आठ इवेंट के बाद, तेजस्विन 6637 पॉइंट्स के साथ चौथे नंबर पर रहे, जबकि सैमी बॉल 6650 पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर थे।

जेवलिन थ्रो के बाद तीसरे पर पहुंचे तेजस्विन- विक्टर ने जेवलिन थ्रो में 63.06 मीटर के बड़े थ्रो के साथ अपना गोल्ड मेडल पक्का किया और दूसरे नंबर पर रहे वार्नर से बड़ी बढ़त बना ली, जबकि तेजस्विन ने 53.12मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो फेंका और 7272 पॉइंट्स के साथ मेडल की पोजीशन पर वापस आ गए।

तेजस्विन ने भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था

हांगझोउ एशियाई खेल 2023 के रजत पदक विजेता 27 वर्ष के तेजस्विन कनाडा के डेमियन वार्नर से पिछड़ गए जिन्होंने 8036 अंक लेकर रजत पदक जीता। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के लिंडन विक्टर ने 8096 अंक लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तेजस्विन ने 9वीं स्पर्धा भालाफेंक के बाद तीसरा स्थान हासिल कर लिया था। 1500 मीटर में पांचवें स्थान पर रहने के बाद उसे बरकरार रखा।

नीरज चोपड़ा को रजत से करना पड़ा संतोष

- यशवीर ने 4 एथलीटों को पछाड़ ब्रॉन्ज झटका

नई दिल्ली। भारतीय भालाफेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा कठिन हालात में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। यशवीर सिंह ने राष्ट्रमंडल खेलों में शुक्रवार (31 जुलाई) को आखिरी प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो करके कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने 4 एथलीटों को पछाड़ा। टोक्यो ओलंपिक चैंपियन 28 वर्ष के नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.83 मीटर थ्रो फेंका जो दूसरे स्थान पर रहने के लिये काफी था। वह 19 जून को दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।

सातवें से तीसरे पर पहुंचे यशवीर- राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार उतरे 24 बरस के यशवीर ने छठे और आखिरी प्रयास में 85.41 मीटर थ्रो फेंककर सभी को चौंका दिया। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 83.72 मीटर था। वह पांचवें दौर के बाद 81.33 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास से सातवें स्थान पर थे, लेकिन आखिरी प्रयास जबर्दस्त रहा। आखिरी राउंड शुरू होने से पहले यशवीर छठे पर थे। वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वालकॉट ने 82.55 मीटर का थ्रो किया और भारतीय एथलीट सातवें पर पहुंच गया।

रूमेश थरंगा पथिरागे ने स्वर्ण जीता

श्रीलंका के स्टार रूमेश थरंगा पथिरागे ने अपेक्षा के अनुरूप 89.75 मीटर फेंककर स्वर्ण पदक जीता। बेहद सर्दी और तेज हवाओं के प्रदर्शन उनका यह प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंन जून में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का थ्रो फेंका था।

अरशद नदीम 3 दौर के बाद बाहर- भारत के रोहित यादव 81.56 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रहे। वह कुछ देर के लिए तीसरे नंबर पर रहे, 81.56 मीटर के थ्रो के बाद काफी संघर्ष करते दिखे। पाकिस्तान के गत चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 77.41 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए। मौजूदा विश्व चैंपियन त्रिनिदार और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट छठे स्थान पर रहे।

हर्ष-अस्मिता गोल्ड, यामिनी ने जूडो में जीता सिल्वर

भारत के 20 पदक पूरे, 10वें दिन 13 मेडल दांव पर

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के 20 मेडल पूरे हो गए हैं। जूडो में अस्मिता डे और हर्ष सिंह के गोल्ड के बाद 57 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में यामिनी मौर्या इंग्लैंड की असेल्या टोपरैक से हार गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा है। भारत को 9वें दिन जूडो में दो गोल्ड और एक सिल्वर मिला और कुल पदकों की संख्या 20 तक पहुंच गई। नीरज चोपड़ा के मुकाबले का हालांकि, सभी को इंतजार है। अब 10वें दिन की बात करें तो 13 मेडल दांव पर होने वाले हैं। वहीं बॉक्सिंग में भारत के पांच फाइनल मुकाबले होंगे। प्रीति पवार, अरुंधति चौधरी, जदुमणि सिंह, अंकुश पंघाल और जैस्मीन लम्बोरिया के फाइनल मुकाबले 10वें दिन 1 अगस्त 2026 को होंगे। यानी भारत को पांच मेडल बॉक्सिंग में मिल सकते हैं। इसके अलावा एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स में भी गोल्ड मेडल दांव पर होंगे।

बॉक्सर अंकुश पंघाल की फाइनल में एंट्री

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में प्रीति पवार के बाद 31 जुलाई शुक्रवार को भारत के एक और मुक्केबाज ने फाइनल में जगह बना ली। 80 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में अंशुल पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया और अपना कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया।

उनसे पहले महिला 54 किलोग्राम सेमीफाइनल मैच में प्रीति ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराते हुए फाइनल में एंट्री की थी। अंकुश पंघाल की लगातार दूसरे मैच में यह 5-0 से जीत है।

पाकिस्तान पैंथर्स को एशियन स्टार्स ने हराया

- डक पर आउट होने वाले दिलशान बने प्लेयर ऑफ द मैच, देवेन्द्र ने लगाया अर्धशतक

नई दिल्ली। एशियन लीजेंड्स लीग 2026 की शुरुआत हो चुकी है और इस सीजन के दूसरे मैच में पाकिस्तान पैंथर्स का सामना एशियन स्टार्स के साथ हुआ। मेहरान खान की कप्तानी में एशियन स्टार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान पैंथर्स को आसानी से 85 रन से हरा दिया और इस टीम की जीत में देवेंद्र सिंह की नाबाद तेज अर्धशतकीय पारी व तिलककरत्ने दिलशान की बेहतरीन गेंदबाजी का बड़ा योगदान रहा। इस मुकाबले में एशियन स्टार्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और इसके बाद 20 ओवर में 6 विकेट पर 186 रन का अच्छा स्कोर खड़ा दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान पैंथर्स की टीम की बल्लेबाजी एशियन स्टार्स की गेंदबाजी के सामने पूरी तरह से बिखर गई और ये टीम 20 ओवर में 101 रन के स्कोर पर ही सिमट गई। दिलशान हालांकि इस मैच में डक पर आउट हुए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 10 मिनट में दूसरा गोल्ड

प्रीति के बाद जैस्मिन ने बॉक्सिंग का फाइनल जीता

ग्लासगो (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने सातवां गोल्ड मेडल जीत लिया है। जैस्मिन लांबोरिया ने विमेंस बॉक्सिंग की 57 केजी कैटेगरी के फाइनल में नॉर्दर्न आयरलैंड की मिकाएला वॉल्स को हराकर गोल्ड जीता। इससे पहले विमेंस बॉक्सिंग के 54 केजी वर्ग में प्रीति पवार ने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर गोल्ड अपने नाम किया था। इसके साथ ही भारत के 7 गोल्ड सहित कुल 27 मेडल हो गए हैं। भारत मेडल टैली में छठे स्थान पर पहुंच गया है।वहीं, भारत के 8 और मुक्केबाज गोल्ड मेडल के लिए फाइनल में उतरेंगे।

ट्रिपल जंप में भारत के दो और मेडल

भारत ने पुरुष ट्रिपल जंप में दो और मेडल जीत लिए हैं। प्रवीण चित्रावेल ने 16.58 मीटर के जंप अटैम्प्ट के साथ सिल्वर अपने नाम किया। वहीं, भारत के ही सेल्वा प्रभु ने 16.52 के बेस्ट अटैम्प्ट के साथ ब्रॉन्ज जीता। इस इवेंट का गोल्ड जाम्बिया के जॉर्डन स्कॉट ने जीता। उनका बेस्ट अटैम्प्ट 16.72 मीटर का रहा।

जसपाल राणा से अभिवन बिंद्रा तक...

12 भारतीयों ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जीते 5 से ज्यादा मेडल, पांच ओलंपिक मेडलिस्ट भी बने

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में ऐसे कई खिलाड़ी हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं हैं, लेकिन 5 या उससे ज्यादा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की संख्या काफी कम है। भारतीय खिलाड़ियों ने वैसे तो कॉमनवेल्थ गेम्स में कई प्रतियोगिताओं में मेजल जीतने का कमाल किया है, लेकिन सबसे ज्यादा सफलता भारतीय खिलाड़ियों को शूटिंग में ही मिली है और आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं।

जसपाल राणा ने जीते सबसे ज्यादा 15 पदक- कॉमवेल्थगेम्स गेम्स के इतिहास में ऐसे कौन-कौन खिलाड़ियों हैं जिन्होंने भारत के लिए 5 या उससे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल किया है हम ऐसे 12 खिलाड़ियों का जिक्र करने जा रहे हैं और यही नहीं इन 12 खिलाड़ियों में 5 ऐसे भी हैं जिन्होंने ओलंपिक में भी देश के लिए मेडल जीते हैं। कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के

लिए सबसे ज्यादा मेडल जीतने का कमाल पूर्व भारतीय शूटर जसपाल राणा ने किया था जिन्होंने कुल 15 पदक अपने नाम किए थे जिसमें 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रान्ज मेडल शामिल थे। हालांकि राणा कभी देश के लिए ओलंपिक मेडल नहीं जीत पाए थे।

समरेश जंग ने भी लहराया परचम- समरेश जंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में अपना परचम जब-जब मौका मिला लहराया और उन्होंने कुल 14 पदक देश के लिए जीते थे जिसमें 7 गोल्ड, 5 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज शामिल थे। हालांकि समरेश भी कभी ओलंपिक में कोई मेडल नहीं जीत पाए। भारत के स्टार टेबल टेनिस प्लेयर अचंता शरत कमल ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में अपना लोहा मनवाया था और 13 पदक इसकी गवाही देते हैं। उन्होंने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में में कुल 7 गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। गगन नारंग ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 10 मेडल जीते थे और उन्होंने 2012 ओलंपिक में भी देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीतने का कमाल किया था।

अभिनव बिंद्रा के नाम कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में 7 पदक- भारतीय शूटिंग के सरताज अभिनव बिंद्रा ने कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में देश के लिए कुल 7 मेडल जीतने का कमाल किया था जिसमें 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज शामिल थे तो वहीं अभिनव ने साल 2008 ओलंपिक में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतने का कमाल किया था। शूटर तेजस्विनी सावंत ने भी कॉमवेल्थगेम्स गेम्स में भारत के लिए कुल 7 मेडल जीते थे जबकि विजय कुमार ने 6 मेडल जीतने का कमाल किया था और विजय ने 2012 ओलंपिक में भी भारत के लिए सिल्वर जीता था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चीन में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 51 पहुंची, 10 लोग अब भी लापता

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम चीन में इस महीने हुए भीषण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 51 हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने गुरुवार को बताया कि जमीन पर चलाया जा रहा खोज अभियान समाप्त कर दिया गया है, जबकि 10 लोग अब भी लापता हैं। प्रशासन के अनुसार, बुजियांग नदी में ड्रेजिंग और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। यह हादसा 17 जुलाई को चोंगकिंग के पेंगशुई काउंटी में हुआ था, जहां पहाड़ी से गिरी चट्टानों और मलबे ने 10 से अधिक आवासीय इमारतों और एक मिनीबस को अपनी चपेट में ले लिया था। इस दुर्घटना में 10 लोग घायल हुए थे, जिनमें से तीन को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। प्रशासन ने बताया कि 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और प्रभावित इलाके में यातायात जल्द बहाल होने की उम्मीद है। नदी में लापता लोगों की तलाश के लिए गोताखोरों और पानी के भीतर काम करने वाले रोबोट की मदद ली जा रही है।

ईरान पर हमले रोकने वाला प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में फेल :49-50 वोट से गिरा, ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद ने वोटिंग नहीं की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई सीमित करने वाला प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। इसके लिए गुरुवार को वोटिंग हुई, जिसमें यह 49-50 के अंतर से खारिज हो गया। पेन्सिलवेनिया से रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अभी यह विधेयक सीनेट की विदेश मामलों से जुड़ी समिति में अटका हुआ है। प्रस्ताव लाने वाले सांसद चाहते थे कि इसे पूरे सीनेट में चर्चा और वोटिंग के लिए पेश किया जाए। अब इसे पूरे सीनेट में लाने के लिए सांसदों को दोबारा कोशिश करनी होगी। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ जाता, तो ईरान के खिलाफ हमले शुरू करने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्ट्रपति अकेले ऐसा फैसला नहीं ले सकते थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया ईरान हमलों के बाद विपक्षी सांसद लगातार मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद की मंजूरी से ही हो।

ट्रम्प का दावा- हमास-इजराइल में पीस एग्रीमेंट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि गाजा में हमास और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। उनके मुताबिक, हमास और दूसरे सभी हथियारबंद संगठनों ने हथियार छोड़ने पर सहमति जताई है। इसके बाद इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी। ट्रम्प के मुताबिक समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे-जैसे हमास अपने हथियार छोड़ेगा, वैसे-वैसे इजराइली सेना गाजा से हटेगी। इसके बाद एक इंटरनेशनल स्टेबिलाइजेशन फोर्स और नई फिलिस्तीनी पुलिस गाजा की सुरक्षा संभालेंगे। ट्रम्प ने इस समझौते के लिए मिस्र, कतर और तुर्किये का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि इन देशों और अमेरिकी टीम की लगातार कोशिशों से दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ सकी। ट्रम्प ने कहा यह डील अमेरिका के 20-पॉइंट गाजा प्लान का सबसे अहम हिस्सा है और गाजा में स्थायी शांति और सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम है। हमास का हथियार छोड़ना सबसे बड़ी चुनौती- हमास और दूसरे सभी हथियारबंद गुटों को चरणबद्ध तरीके से हथियार सौंपने होंगे। अगर कोई गुट नहीं माना, तो पूरा समझौता प्रभावित हो सकता है। नई सुरक्षा व्यवस्था बनाना आसान नहीं- इजराइली सेना के हटने के बाद गाजा की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल और नई फिलिस्तीनी पुलिस संभालेगी। इसके लिए बड़ी तैयारी और तालमेल की जरूरत होगी। नई फिलिस्तीनी सरकार को समर्थन चाहिए- गाजा का प्रशासन नई तकनीकी फिलिस्तीनी सरकार संभालेगी।

स्पेन में बेकाबू हुए हालात, समंदर के रास्ते घुसे हजारों लोग; 18 मौतों के बाद स्यूटा में सेना की एंट्री

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी तट पर स्थित छोटे से शहर स्यूटा में इन दिनों गंभीर मानवीय और सुरक्षा संकट पैदा हो गया है। बेहतर भविष्य की तलाश में मोरक्को से हजारों प्रवासियों ने अवैध रूप से सीमा पार कर स्पेन में प्रवेश किया है। इस भगदड़ और समुद्र पार करने के खतरनाक प्रयास में अब तक कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थिति इतनी विस्फोटक हो गई है कि स्पेन सरकार को बॉर्डर पर कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए सेना तैनात करनी पड़ी है। स्यूटा सीमा पर तैनात सिविल गार्ड अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान स्थिति पूरी तरह से अराजक है। प्रवासियों की संख्या इतनी अधिक है कि सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल हो रहा है, लेकिन हजारों की भीड़ लगातार सीमा पार कर रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सीमा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में बड़ी संख्या में लोग, जिनमें ज्यादातर मोरक्को के युवा पुरुष हैं, तराजाल समुद्र तट के रास्ते स्थानीय सड़कों पर आते दिखाई दे रहे हैं।

पाकिस्तान की कोयला खदान में बड़ा हादसा, धमाके में 32 मजदूरों की मौत; 10 अब भी फंसे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के बाहरी इलाके में स्थित एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 32 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य मजदूर अब भी जमीन के नीचे फंसे हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक उनकी स्थिति बेहद गंभीर मानी जा रही है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है।

धमाका कैसे हुआ : सरकारी खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विस्फोट मीथेन गैस के अत्यधिक जमा होने के कारण हुआ। हादसे के कुछ घंटों बाद पहले सात मजदूरों के शव निकाले गए, जबकि बाद में चार और शव बरामद किए गए। गनी बलोच ने बताया कि राहत अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी फंसे मजदूरों का पता नहीं चल जाता। हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है, जिससे किसी के जीवित मिलने की संभावना लगातार कम होती जाती है। इसी वजह से बचाव दल भी बेहद सावधानी के साथ अंदर आगे बढ़ रहे हैं।

सरकार ने क्या कहा : बलूचिस्तान के खान एवं खनिज मंत्री शोएब नोशेरवानी ने कहा कि राहत दल बेहद कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और प्रांतीय सरकार बचाव कार्य में हरसंभव मदद कर रही है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घोषणा की कि प्रत्येक मृतक मजदूर के परिवार को पांच लाख पाकिस्तानी रुपये मुआवजे के तौर पर दिए जाएंगे। नोशेरवानी ने कहा कि विस्फोट के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए खदानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की जाएगी।

क्या लापरवाही हादसे की वजह बनी : कोयला खदान मजदूर यूनियन ने आशंका जताई है कि यह हादसा लापरवाही का परिणाम हो सकता है। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस लेबर फेडरेशन ने सरकार से मांग की है कि खदान सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

क्या पाकिस्तान में ऐसे हादसे आम हैं : पाकिस्तान के कोयला खनन उद्योग, खासकर बलूचिस्तान में, ऐसे हादसे अक्सर सामने आते रहते हैं। कई खदानों में पर्याप्त वेंटिलेशन, गैस मॉनिटरिंग सिस्टम और अन्य बुनियादी सुरक्षा उपायों का अभाव बताया जाता है। मजदूर संगठनों का लंबे समय से आरोप रहा है कि खदान मालिक सुरक्षा नियमों का पालन नहीं करते और श्रमिकों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराते। इसके बावजूद, कम मजदूरी और जोखिम भरे माहौल में भी हजारों लोग अपनी आजीविका के लिए इसी उद्योग पर निर्भर हैं। खदान निरीक्षक गनी बलोच के अनुसार इस जानलेवा धमाके के कुछ घंटों बाद 7 खनिकों के शव बरामद कर लिए गए। अधिकारियों का मानना है कि खदान के अंदर यह बड़ा धमाका मीथेन गैस जमा होने की वजह से हुआ था। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य आपातकालीन दल तेजी से अपना बचाव अभियान चला रहे हैं। खदान के अंदर मीथेन गैस विस्फोट के बाद ऑक्सीजन का स्तर लगभग शून्य हो जाता है।

बचाव कार्य लगातार जारी : ऑक्सीजन खत्म होने के कारण फंसे हुए खनिकों के जीवित बचने की संभावना काफी ज्यादा कम हो जाती है। इसके बावजूद बचावकर्मी खदान के अंदर बहुत ही ज्यादा सावधानी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि खनिक जमीन के नीचे कितनी गहराई में काम कर रहे थे। लेकिन उनका कहना है कि जब तक सभी 41 खनिक नहीं मिल जाते, तब तक यह बचाव अभियान जारी रहेगा। बलूचिस्तान हादसे के अलावा बुधवार रात खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बहुत ही बड़ा आतंकी हमला हुआ है। अफगान सीमा के पास मौजूद हंगू जिले में एक पुलिस चेकपॉइंट पर घात लगाकर अचानक हमला किया गया। हमलावरों ने पुलिस पोस्ट को निशाना बनाने के लिए पहले विस्फोटक से लदे हुए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया। इसके बाद सुरक्षा बलों और हमलावरों के बीच कई घंटों तक भारी गोलीबारी चलती रही। इस भीषण गोलीबारी में 11 पुलिस अधिकारियों की जान चली गई और 28 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मारे गए लोगों में डिप्टी सुपरिटेंडेंट दियार खान भी शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया सीमा पर भटका अमेरिकी सैन्य ड्रोन; उत्तर कोरियाई सीमा के पास हड़कंप, इलाके कराए गए खाली

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान गुरुवार को एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन सीमा क्षेत्र में पहुंच गया, जिसके बाद दक्षिण कोरियाई सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। एहतियात के तौर पर उत्तर कोरिया से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत और चेओरवोन क्षेत्र के कुछ इलाकों को खाली कराया गया तथा स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। शुरुआती जांच में दक्षिण कोरियाई सेना ड्रोन की पहचान नहीं कर सकी, जिससे कुछ समय के लिए आशंका बनी रही कि कहीं यह उत्तर कोरिया से तो नहीं आया।

बाद में संयुक्त जांच में पुष्टि हुई कि यह अमेरिकी मरीन कॉर्प्स का मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) था, जो द्विपक्षीय सैन्य प्रशिक्षण में शामिल था। अमेरिकी सेना और दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि घटना की परिस्थितियों की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि ड्रोन निर्धारित मार्ग से कैसे भटका। फिलहाल किसी तरह के नुकसान या सुरक्षा उल्लंघन की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, घटना ने कोरियाई सीमा क्षेत्र में सैन्य गतिविधियों और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाद में यूएस मरीन ड्रोन होने की पुष्टि : दोनों पक्षों के सैन्य अधिकारियों के अनुसार पता चला की उत्तर कोरिया की सीमा से सटे उत्तरी ग्योंगगी प्रांत में एक जनरल आउटपोस्ट के दक्षिण में यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) का पता चला था। बाद में इसकी पहचान यहां तैनात यूएस मरीन कॉर्प्स के एक मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई। वहीं दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के एक अधिकारी ने पत्रकारों को बताया आगे की जांच-पड़ताल के बाद, इस यूएवी की पहचान ट्रेनिंग में शामिल यूएस मिलिट्री ड्रोन के रूप में की गई।

सीमा क्षेत्र में दिखा अमेरिकी ड्रोन : योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जेसीएस अधिकारी ने कहा कि इसके बाद तय प्रोटोकॉल के अनुसार ऑपरेशनल कदम उठाए गए। यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) ने भी पुष्टि की कि यह उनका ही ड्रोन था और कहा कि वे स्थिति का आकलन करने के लिए दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

संयुक्त अभ्यास के दौरान हुई घटना : वहीं यूएसएफके ने दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम लेते हुए कहा यह घटना यूएस मरीन और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के फर्स्ट मरीन डिवीजन के बीच द्विपक्षीय प्रशिक्षण के दौरान हुई। उन्होंने आगे कहा, 'यूएस मरीन कॉर्प्स के कर्मी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का आकलन कर रहे हैं और रिपब्लिक ऑफ कोरिया मरीन कॉर्प्स के हमारे सहयोगियों और संबंधित स्थानीय अधिकारियों के साथ संपर्क साधे हुए हैं। बता दें कि इससे पहले दिन में, सोल से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर में, उत्तर-दक्षिण कोरियाई सीमा के साथ बफर जोन के पास चेओरवोन में एक अलर्ट जारी किया गया था।

आस्ट्रेलियाई एयरलाइन के विमान से आसमान में अब सबसे लंबा सफर...बिना रुके सिडनी से सीधे लंदन

सिडनी, एजेंसी। अगले साल से शुरू होने जा रही सबसे लंबी कमर्शियल फ्लाइट (आस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास का विमान) बिना रुके 22 घंटे की यात्रा कराएगा। यह लगभग 18,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करने में सक्षम है। एयरबस ए350-1000यूएलआर (अल्ट्रा लॉन्ग रेंज) में लंबी दूरी की उड़ानों के मुकाबले अतिरिक्त 20,000 लीटर का एक्स्ट्रा फ्यूल टैंक लगाया गया है। एशिया, मिडिल ईस्ट या नॉर्थ अमेरिका में होने वाले लंबे ट्रांजिट को खत्म करके यात्री बिना रुके सीधे अपनी मंजिल पर पहुचेंगे और उनके सफर के 4 घंटे की बचत होगी। बता दें कि एयरबस दो महीने के सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत जून से ही इस एयरक्राफ्ट की टेस्टिंग कर रही है।

सामान्य विमानों में जहां 300 से अधिक सीटें होती हैं, वहीं क्वांटास के इस विमान में केवल 238 सीटें ही रखी गई हैं। कम सीटों के होने से विमान का वजन संतुलित रहते और यात्रियों को पैरों फैलाने के लिए अधिक स्पेस, स्ट्रेटिंग स्पेस व आरामदायक केबिन मिलेगा। यात्रियों की सेहत का ध्यान रखते हुए इसमें वेलबीइंग जोन बनाया गया है, जहां यात्रियों के टहलने, स्ट्रेचिंग करने और हल्के-फुल्के रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक (सर्काडियन रिदम) को ठीक बनाए रखने और जेट लैग के असर को कम करने के लिए केबिन में सनराइज और सनसेट जैसे 12 अलग-अलग प्रोग्रामेबल लाइटिंग थीम्स दी गई हैं। यह विमान शक्तिशाली और बेहद ईंधन-दक्ष रोल्स-रॉयस ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन से संचालित है। अभी दुनिया की सबसे लंबी शेड्यूल्ड कमर्शियल पैसेंजर सर्विस सिंगापुर एयरलाइंस का सिंगापुर और न्यूयॉर्क के बीच नॉन-स्टॉप रूट है, जो 18 घंटे से कुछ ज्यादा समय में लगभग 15,350 किलोमीटर की दूरी तय करता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने जरूरी मिनरल्स पर नियंत्रण सख्त करने का लिया फैसला, डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट किया लागू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करके रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल्स और मटीरियल पर नियंत्रण सख्त कर दिया है। इससे कॉमर्स डिपार्टमेंट को देश की रक्षा के लिए जरूरी मानी जाने वाली घरेलू सप्लाई चेन को मजबूत करने की बड़ी कोशिश के तहत एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार मिल गया है। गुरुवार को वाणिज्य सचिव को जारी किए गए प्रेसिडेंशियल डिटरमिनेशन में राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान किया कि रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल (सीएमएम) देश की सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इम्पोर्टेड सप्लाई पर अमेरिका की निर्भरता एक बढ़ता हुआ सुरक्षा खतरा बन गई है। इस फैसले में कहा गया है कि अमेरिका की सीएमएम की कम सप्लाई से हमारे देश की सुरक्षा और बचाव को खतरा बढ़ रहा है। देश विदेशी सोर्स से कुछ सीएमएम के इंपोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है और इस निर्भरता से सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा है। मेमोरेंडम में कहा गया, 'यह जरूरी है कि अमेरिका रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करे। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के तहत वाणिज्य सचिव को रिकवर किए जा सकने वाले जरूरी मिनरल और मटीरियल पर एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का अधिकार दिया है। व्हाइट हाउस की फैक्ट शीट में कहा गया है कि इस फैसले से यह नतीजा निकलता है कि सीएमएम देश की रक्षा को बढ़ावा देने के लिए जरूरी इंडस्ट्रियल रिसोर्स हैं, खासकर मिलिट्री प्रोडक्शन, इंडस्ट्रियल इस्तेमाल और नेशनल सिक्योरिटी के मामले में। इसमें यह भी पाया गया है कि अमेरिका कुछ जरूरी चीजों के लिए विदेशों से इम्पोर्ट पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जिससे सप्लाई चेन में गंभीर और लगातार रुकावट का खतरा पैदा होता है। राष्ट्रपति का फैसला वाणिज्य सचिव को रेगुलेशन, नियम, निर्देश और प्रक्रिया जारी करके आदेश को लागू करने का अधिकार देता है। यह फैसला फेडरल रजिस्टर में भी पब्लिश किया जाएगा। सरकार ने कहा कि अमेरिका के पास पहले से ही स्थायी मैग्नेट और लिथियम-आयन बैटरी जैसे तैयार प्रोडक्ट्स में लगे जरूरी मिनरल्स की काफी मात्रा है। जब ये प्रोडक्ट्स अपनी लाइफ साइकिल के आखिर में पहुंच जाते हैं तो इन मटीरियल्स को इंडस्ट्रियल इस्तेमाल के लिए वापस लिया जा सकता है और रीसायकल किया जा सकता है। व्हाइट हाउस ने कहा कि ये मटीरियल्स जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स के काम करने के तरीके, सुरक्षा और मजबूती को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए बहुत जरूरी हैं। इसमें यह भी कहा गया कि जरूरी मिनरल डिफेंस सप्लाई चेन में आम हैं और एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम में जरूरी इनपुट हैं जो तकनीकी तौर पर बेहतरी, ऑपरेशनल तैयारी और उच्च प्रदर्शन वाले सैन्य उपकरण की एक सीरीज को सपोर्ट करते हैं।'

डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट के सेक्शन 101 के तहत राष्ट्रपति ट्रंप ने तय किया कि रिकवर किए जा सकने वाले सीएमएम देश की रक्षा के लिए जरूरी दुर्लभ और जरूरी मटीरियल हैं। उन्होंने आगे पाया कि इन मटीरियल के लिए देश की रक्षा की जरूरतें सिविलियन मार्केट में ऐसे मटीरियल के नॉर्मल डिस्ट्रीब्यूशन में इतनी बड़ी गड़बड़ी पैदा किए बिना पूरी नहीं की जा सकतीं कि काफी मुश्किल हो जाए।

यूरोप की खुली सीमाओं पर संकट: इतालवी प्रधानमंत्री ने दी शेंगेंन समझौते को रद्द करने की धमकी

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार असाधारण कदम उठाने के लिए तैयार है। इसमें जरूरत पड़ने पर स्पेन के साथ शेंगेन समझौते को निलंबित करना भी शामिल है। उनका यह बयान स्पेन के स्यूटा क्षेत्र में प्रवासियों की संख्या में अचानक आई बढ़ोतरी के बाद आया है।

पीएम मेलोनी ने क्या चेतावनी दी त्न पीएम मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि स्यूटा से सामने आ रही तस्वीरें इस बात का स्पष्ट प्रमाण हैं कि अनियंत्रित अवैध प्रवासन यूरोप की सीमाओं की सुरक्षा के लिए वास्तविक खतरा है। मेलोनी ने बताया कि उन्होंने इटली के गृह मंत्री मत्तेओ प्यान्तेदोसी से सीधे बात की है और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की बैठक बुलाई गई है, ताकि औपचारिक जवाबी कार्रवाई पर फैसला किया जा सके। इतालवी पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि उनकी सरकार सीमा पर बन रहे हालात को देखते हुए चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि उच्च स्तरीय बैठकों के फैसले के आधार पर इटली अपनी सीमाओं की रक्षा और लोगों की सुरक्षा के लिए असाधारण कदम उठाने को तैयार है। उन्होंने खासतौर से स्पेन के साथ खुले सीमा वाले शेंगेन समझौते को निलंबित करने का विकल्प भी बताया। मेलोनी ने दोहराया कि उनकी सरकार अवैध प्रवासन के खिलाफ सख्त नीति पर कायम है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता सीमाओं की सुरक्षा, मानव तस्करी के गिरोहों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और अवैध प्रवासियों को जल्दी वापस भेजना है।

स्यूटा में क्यों बढ़ा संकट : उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब स्पेन के स्वायत्त क्षेत्र स्यूटा में सीमा संकट तेजी से बढ़ रहा है। स्यूटा की मोरक्को के साथ जमीनी सीमा लगती है। पोलिटिको के अनुसार, बुधवार से हजारों प्रवासी इस क्षेत्र में पहुंच चुके हैं। इससे स्थानीय प्रशासन पर भारी दबाव पड़ गया है और सीमा प्रबंधन को लेकर स्पेन के प्रधानमंत्री पेद्रो सांचेज की आलोचना तेज हो गई है। स्यूटा के क्षेत्रीय अधिकारियों ने बुधवार को समुद्री मार्गों से लगातार पहुंच रहे प्रवासियों को लेकर चेतावनी जारी की। स्यूटा के क्षेत्रीय प्रमुख जुआन जीसस विवास ने स्थिति को 'पूरी तरह मानवीय और सामाजिक आपातकाल' बताया। उन्होंने मैड्रिड की केंद्र सरकार से तुरंत दखल की मांग की। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने गुरुवार को एक्स पर कहा कि उनकी सरकार मोरक्को के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है, ताकि स्थिति को सामान्य किया जा सके। उन्होंने जल्द सरकारी कार्रवाई का भी भरोसा दिया। सांचेज पर राजनीतिक दबाव उस समय और बढ़ गया, जब स्पेन के सुप्रीम कोर्ट ने समुद्र के रास्ते आने वाले प्रवासियों को तुरंत वापस भेजने पर रोक लगाने वाला फैसला दिया। इस संकट के कारण प्रधानमंत्री की देश के भीतर भी तीखी आलोचना हो रही है।

ब्रिटिश सांसदों ने पीओके में हिंसा पर जताई चिंता, तनाव तुरंत कम करने की मांग की

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बढ़ती अशांति को लेकर कई ब्रिटिश सांसदों ने गंभीर चिंता जताई है। इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की सख्त कार्रवाई, आवाजाही पर पाबंदियों और संचार व्यवस्था ठप होने की खबरों के बीच आम नागरिकों के हताहत होने और घायल होने की भी खबरें आ रही हैं। ब्रैडफोर्ड के सांसद इमरान हुसैन और ऑल-पार्टी पार्लियामेंट्री ग्रुप (एपीपीजी) के चेयरमैन ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और 50 से अधिक सांसदों ने पीओके के हालात को लेकर यूनाइटेड किंगडम (यूके) के विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हुसैन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'कश्मीर पर एपीपीजी के चेयरमैन के तौर पर 50 से अधिक सांसदों के साथ मिलकर हमने मौजूदा हालात के बारे में विदेश मंत्री को पत्र लिखा है। हम तनाव के गंभीर रूप से बढ़ने को लेकर बहुत चिंतित हैं, खासकर हालिया खबरों को लेकर जिनमें गोलीबारी से लोगों की मौत और घायल होने की बात कही गई है।'

हुसैन ने कहा कि कई ब्रिटिश कश्मीरी उस इलाके में अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा, 'कई ब्रिटिश कश्मीरी अपने परिवारों की सुरक्षा और भलाई को लेकर चिंतित हैं, जिससे हमारे समुदायों में काफी बेचैनी और परेशानी है। उन्होंने कहा, 'यूके सरकार को तनाव कम करने और बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण समाधान निकालने के लिए सभी सही कूटनीतिक तरीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। इस बातचीत के केंद्र में कश्मीरियों के बुनियादी मानवाधिकार होने चाहिए। ये बातें तब सामने आईं जब गुरुवार को यूके के कई सांसदों ने पीओके में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा की खबरों पर चिंता जताई। सांसद जारा सुल्ताना ने एक्स पर लिखा, 'कश्मीर के लोगों के साथ एकजुटता। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा घातक बल प्रयोग की खबरें और वीडियो फुटेज बेहद परेशान करने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा, 'खबर है कि संचार व्यवस्था ठप होने के बीच कम से कम 30 लोग मारे गए हैं और कई अन्य घायल हुए हैं। हिंसा खत्म होनी चाहिए। संचार व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए, स्वतंत्र जांच की अनुमति दी जानी चाहिए और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यूके की एक और सांसद नादिया व्हिटोम ने कहा कि जून में शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अधिकारियों ने सख्त संचार प्रतिबंध लागू कर दिया था।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा ! 3 की जान जाने के बाद पीएम बालेन शाह ने की शांति की अपील

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच भड़की भारी सांप्रदायिक हिंसा से पूरे इलाके में गहरा तनाव पैदा हो गया है। सुनसरी जिले से रविवार को शुरू हुई यह भयंकर हिंसा अब सिराहा और धनुषा जिले तक पूरी तरह फैल गई है। इस हिंसक टकराव और पुलिस के साथ हुई भीषण झड़पों में अब तक कुल तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। यह स्थिति नेपाल सरकार के लिए बहुत ही ज्यादा चिंताजनक बन गई है।

देश के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने इस बेहद नाजुक स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने टेलीविजन पर अपने खास संबोधन में मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घटना की निष्पक्ष जांच का पूरा भरोसा दिलाया। गृह मंत्रालय ने इस हिंसक घटना की गहराई से जांच के लिए तुरंत एक विशेष जांच समिति का भी गठन कर दिया है। स्वास्थ्य अधिकारियों को सभी घायल लोगों का मुफ्त और बेहतर इलाज करने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

कैसे भड़की यह भयंकर हिंसा : इस गंभीर हिंसा की मुख्य शुरुआत 26 जुलाई को सुनसरी जिले के कप्तानगंज क्षेत्र में एक धार्मिक यात्रा के दौरान हुई थी। श्रावण महीने में बोलबम पर्व के हिंदू श्रद्धालु कोशी बैराज से पवित्र जल लेकर तेज डीजे संगीत के साथ आगे जा रहे थे। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस तेज संगीत पर भारी आपत्ति जताई जिसके बाद दोनों पक्षों में भयंकर बहस शुरू हो गई। यह बहस और विवाद अचानक से बहुत उग्र हो गया। देखते ही देखते यह छोटा सा विवाद धक्का-मुक्की और एक बहुत ही बड़े हिंसक टकराव में पूरी तरह से बदल गया। दोनों समुदायों के लोग लाठियां, पत्थर, बांस और लोहे की रॉड जैसे खतरनाक हथियार लेकर बहुत बड़ी संख्या में घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। स्थिति को बेकाबू होता देखकर पुलिस को मजबूरन सख्त हस्तक्षेप करना पड़ा जिसमें पुलिस की गोली लगने से एक युवक ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। इसके बाद पूरे इलाके में भयानक हिंसा भड़क उठी।

तीन निर्दोष लोगों की गई जान : पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई इस भीषण झड़प में अब तक तीन लोगों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है। इनमें जय प्रकाश मेहता, ओम प्रकाश मेहता और एक किशोर गणेश यादव का नाम आधिकारिक रूप से शामिल बताया गया है। सिराहा जिले में हुई हिंसक झड़प के दौरान गोली लगने से युवा गणेश यादव की मौके पर ही मौत हो गई। यह पूरी घटना बहुत ही ज्यादा दुखद और खौफनाक है। वहीं जय प्रकाश मेहता और ओम प्रकाश मेहता की जान रविवार को सुनसरी में हुई भयानक पुलिस झड़प के कारण चली गई। इन मौतों के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है और कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुई हैं। हालात को तुरंत काबू में करने के लिए प्रशासन ने सिराहा और जनकपुरधाम के कई संवेदनशील इलाकों में सख्त कर्फ्यू लगा दिया है। पुलिस बल लगातार इन सभी प्रभावित क्षेत्रों में कड़ी गश्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री पर विपक्ष का भारी निशाना : नेपाल सरकार और प्रधानमंत्री बालेन शाह पर इस संकट के समय सही राष्ट्रीय नेतृत्व नहीं देने का बहुत बड़ा आरोप लगा है। विपक्षी नेताओं ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री ने स्थिति सुधारने के लिए कोई भी सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी द्वारा बुलाई गई अहम बैठक में भी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री दोनों पूरी तरह से अनुपस्थित रहे। आलोचकों ने राष्ट्रपति को जानकारी न देने का भी गंभीर मुद्दा उठाया है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अफवाहों को रोकने के लिए लोगों से सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है। गुरुवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक में देश की समग्र सुरक्षा स्थिति की पूरी बारीकी से समीक्षा की गई। भारत की सीमा से लगे नेपाल के पर्सा जिले में भी एहतियात के तौर पर सख्त निषेधाज्ञा पूरी तरह से लागू कर दी गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांगो से लौटे बीएसएफ के जवान में दिखे इबोला के लक्षण

-11 हजार से अधिक यात्रियों की स्क्रीनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर में इबोला वायरस के मंडराते खतरे के बीच भारत भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) से लौटे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक 52 वर्षीय जवान में इबोला के संदिग्ध लक्षण दिखने के बाद हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर जवान को दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के विशेष इबोला आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती कराया गया है। राहत की बात यह है कि देश में अभी तक इबोला के एक भी कन्फर्म मामले की पुष्टि नहीं हुई है और सरकार स्थिति पर मुस्तैदी से नजर बनाए हुए है। संदिग्ध लक्षणों वाला यह बीएसएफ जवान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) शांति मिशन का हिस्सा था और 11 जुलाई को कांगो से भारत लौटा था। प्रभावित क्षेत्र से आने के कारण नियमों के तहत जवान को एयरपोर्ट हेल्थ ऑर्गनाइजेशन में 21 दिनों के अनिवार्य क्वारंटीन में रखा गया था। क्वारंटीन के 20वें दिन जवान को अचानक तेज बुखार और बदन दर्द की शिकायत हुई, जो इबोला संक्रमण के शुरुआती लक्षण माने जाते हैं। प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए मरीज को अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। जवान के खून के नमूने जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पुणे भेजे गए हैं और फिलहाल रिपोर्ट का इंतजार है।

भारी बारिश के चलते अमरनाथ यात्रा फिर रुकी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर अमरनाथ यात्रियों की रफ्तार को रोक दिया है। खराब मौसम और जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) के बंद होने के कारण शनिवार को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से श्रद्धालुओं का नया जत्था कश्मीर घाटी के लिए रवाना नहीं किया जा सका। अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित की गई है। जानकारी के अनुसार, करीब 250 किलोमीटर लंबा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग लगातार दूसरे दिन बंद रहा। उधमपुर जिले के लधा-समरोली क्षेत्र में सड़क की मरम्मत का कार्य चल रहा है। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश से सड़क को हुए नुकसान के बाद शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा के काफिले के गुजरने के तुरंत बाद दोनों ओर से यातायात रोक दिया गया था। इसके बाद लगातार बारिश से सड़क पर कीचड़ जमा हो गया और मार्ग अत्यधिक फिसलन भरा हो गया, जिससे बहाली का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। रामबन और उधमपुर जिलों में भी हल्की से मध्यम बारिश जारी है। एनएच-44 कश्मीर घाटी को देश के शेष हिस्सों से जोड़ने वाला प्रमुख ऑल वेदर मार्ग है। इसके बंद रहने से न केवल अमरनाथ यात्रा प्रभावित हुई है, बल्कि सामान्य यातायात पर भी असर पड़ा है। इस बीच, श्रद्धालुओं की संख्या में कमी को देखते हुए श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड ने यात्रा पंजीकरण और टोकन वितरण की व्यवस्था तवी रिवरफ्रंट से स्थानांतरित कर भगवती नगर आधार शिविर में कर दी है। पहले तवी रिवरफ्रंट पर ऑफलाइन पंजीकरण, टोकन वितरण, ई-केवाईसी सत्यापन और आरएफआईडी कार्ड जारी करने की केंद्रीकृत सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

केरल में भूस्खलन से 3 की मौत, कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात, रेड अलर्ट जारी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिलों में हालात गंभीर हैं। मध्य केरल के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। सबसे ज्यादा असर पहाड़ी जिले इडुक्की में देखने को मिला, जहां शनिवार को भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचान सुमति के रूप में हुई है। वह अडूरमाला क्षेत्र की रहने वाली थीं। शनिवार सुबह हुए भूस्खलन का मलबा उसके घर पर गिरा, जिससे मकान पूरी तरह तबाह हो गया। इसके अलावा 2 अन्य लोगों की भी मौत की खबर है। शनिवार को देश के कई इलाकों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया। कई जिलों में शनिवार को भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लोगों ने सुमति के पति रवि और बेटे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों घायल थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, अग्निशमन एवं बचाव सेवा, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने तलाशी अभियान चलाकर सुमति का शव बरामद किया। इडुक्की के वागामोन इलाके में भी भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति के घर में फंसे होने की सूचना मिली है। उसे बचाने के लिए राहत और बचाव अभियान जारी है।

देश में गंदगी फैलाते, विदेश में जाकर जेंटलमैन बन जाते- हाईकोर्ट की कड़ी फटकार

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने देश में स्वच्छता के प्रति लापरवाही बरतने और जगह-जगह कचरा फैलाने वालों को कड़ी फटकार लगा दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने तीखी टिप्पणी कर कहा कि ये लोग अपने देश में गंदगी फैलाते हैं, लेकिन विदेश जाते ही सुधर जाते हैं और जेंटलमैन होने का नाटक करते हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने सवाल उठाया कि जब विदेश में तय जगह पर कचरा डाला जा सकता है, तब अपने देश में क्यों नहीं। अदालत ने कहा कि साफ-सफाई की जिम्मेदारी समाज की भी है और लोगों को कम से कम अपने आसपास सफाई रखनी चाहिए। बॉम्बे हाई कोर्ट में कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड के आसपास गंदगी और बदबू को लेकर दायर कई याचिकाओं पर सुनवाई कर फटकार लगाई।

अदालत ने कहा कि यहीं लोग विदेश में चॉकलेट के रैपर भी डस्टबिन में डालते हैं, लेकिन यहां आकर लापरवाही बरतते हैं। क्या यही हमारी आज़ादी और लोकतंत्र का अर्थ है? शहर के बीचों-बीच प्लास्टिक के ढेर लगे हैं, जिससे एक सभ्य समाज की हमारी छवि धूमिल होती है। हाई कोर्ट ने मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएस) के स्वच्छ मुंबई, सुंदर मुंबई कार्यक्रम की निष्क्रियता पर भी चिंता जाहिर की है, यह कहते हुए कि न जनता सहयोग कर रही है और न ही मशीनरी ठीक से काम कर रही है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सड़कें कोई डंपिंग ग्राउंड नहीं हैं, जहां सारा कूड़ा-कचरा डाल दिया जाए। यहां तक कि हाई कोर्ट परिसर के पास भी कचरे के ठीक से निपटान न होने और न उठाए जाने पर भी बेंच ने नाराजगी जाहिर की। बेंच ने गौर किया कि बड़ी संख्या में पर्यटक गंदगी को देखते हैं, जिससे शहर की प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचती है। साथ ही, कचरा उठाने वाले कर्मियों के काम करने के तरीके को भी असंतोषजनक बताया, जिससे बहुत सारा कचरा पड़ा रह जाता है। कोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) को एक सप्ताह का समय देकर गंदगी की समस्या पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

वंदे मातरम् पढ़ने या गाने में आपत्ति नहीं, मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है

बिल को मंजूरी मिलने के बाद अरशद मदनी ने कुछ हिस्सों को लेकर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। वंदे मातरम् बिल के संसद के दोनों सदनों से पास होने के बाद देश में सियासी बहस तेज हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा में बिल को मंजूरी मिलने के बाद अब यह मुद्दा हिंदू-मुस्लिम बहस के केंद्र में आ गया है। मुस्लिम संगठनों ने इस बिल पर सवाल उठाते हुए इसे संविधान में दिए गए धार्मिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने बिल का विरोध किया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बिल के कुछ हिस्सों को लेकर आपत्ति जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अरशद मदनी ने कहा कि मुसलमानों को किसी के वंदे मातरम् पढ़ने या गाने से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उनकी धार्मिक मान्यताएं कुछ अलग हैं। उन्होंने कहा कि मुसलमान सिर्फ एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता। मदनी ने कहा कि वंदे मातरम् के कुछ हिस्से इस्लामी आस्था के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए किसी भी मुसलमान को इसे गाने या स्वीकार करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।

मदनी ने संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा कि हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता और अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। उन्होंने अनुच्छेद 19 का जिक्र करते हुए कहा कि यह नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। मदनी ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को उसके धार्मिक विश्वास के खिलाफ किसी नारे, गीत या विचार को अपनाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम् को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाना धार्मिक और संवैधानिक स्वतंत्रता पर हमला है। किसी विशेष धार्मिक विचार या मान्यता को देश के सभी नागरिकों पर लागू नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक बिल का विरोध करने वाले मुस्लिम नेता और धार्मिक संगठनों का कहना है कि इसे लागू करना धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को प्रभावित कर सकता है। मदनी ने बिल पर बात करते हुए कहा कि देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक चुनौतियां, किसानों की समस्याएं और युवाओं के भविष्य जैसे बड़े मुद्दे हैं। ऐसे समय में संसद को इन जरूरी विषयों पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

मुस्लिम नेताओं और मौलानाओं का आरोप है कि यह बिल मुसलमानों को निशाना बनाने के उद्देश्य से लाया गया है। वहीं, बिल के समर्थकों का कहना है कि इसका उद्देश्य राष्ट्रीय गीत को सम्मान और कानूनी संरक्षण देना है। बता दें वंदे मातरम् बिल को अब राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इसके बाद ही यह तय होगा कि यह कानून के रूप में कब लागू होगा।

दिल्ली के आसमान में 2 से 16 अगस्त तक नहीं उड़ेंगे ड्रोन

-छोटे हवाई प्लेटफॉर्म पर भी लगा पूर्ण प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए राजधानी में 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन सहित सभी तरह के छोटे हवाई प्लेटफॉर्म उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। यह फैसला सुरक्षा खतरों की आशंका और खुफिया इनपुट के मद्देनजर लिया गया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया यह आदेश 15 दिनों तक लागू रहेगा। इसमें 15 अगस्त के समारोह से पहले और तुरंत बाद की अवधि शामिल है। आधिकारिक आदेश के अनुसार, ऐसी खबरें मिली हैं कि कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों का उपयोग करके आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट में भी आशंका जताई गई है कि असामाजिक तत्व या आतंकवादी ड्रोन और अन्य छोटे हवाई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर आम लोगों, वीआईपी, संवेदनशील सरकारी भवनों और स्वतंत्रता दिवस समारोह को निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे किसी भी खतरे को पहले ही खत्म करने के लिए यह प्रतिबंध लगाया गया है। बीएनएसएस के तहत प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि अधिसूचित अवधि के दौरान दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) के अधिकार क्षेत्र में कहीं भी इन चीजों को उड़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के ऊपर पैराग्लाइडर, पैरामोटर, हैंगग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट विमान, रिमोट से संचालित विमान, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के संचालित विमान, क्वाडकॉप्टर या विमान से पैरा जंपिंग आदि जैसे गैर-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों की उड़ान पर रोक लगाई जाती है। दिल्ली पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि इस निर्देश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

पुजारी के वेश में प्रदर्शन पर पप्पू यादव के खिलाफ थाने में शिकायत

-धार्मिक भावनाएं आहत करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में राम मंदिर से जुड़े कथित चंदा घोटाले के मुद्दे पर पुजारी के वेश में प्रदर्शन करने वाले पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के खिलाफ दिल्ली के जहांगीरपुरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता सूर्य मैथिल ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शन के दौरान धार्मिक प्रतीकों का अपमान किया गया, जिससे सनातन धर्म के अनुयायियों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने संबंधित नेताओं के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, संसद के बाहर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव भगवा वस्त्र पहनकर मंदिर के पुजारी के रूप में प्रदर्शन कर रहे थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस दौरान भगवान राम लला की तस्वीर का अनुचित तरीके से उपयोग किया गया और धार्मिक प्रतीकों का अपमान हुआ। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस प्रदर्शन को विपक्षी इंडिया गठबंधन के कई सांसदों का समर्थन प्राप्त था। सूर्य मैथिल ने गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली पुलिस आयुक्त, संबंधित डीसीपी, एसीपी और जहांगीरपुरी थाना प्रभारी को संबोधित शिकायत में मांग की है कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में पप्पू यादव और प्रदर्शन में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। दरअसल, शुक्रवार को संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पप्पू यादव साधु के वेश में नजर आए थे।

राम मंदिर में दान पेटियों की अब होगी 360 डिग्री वीडियोग्राफी

एसबीआई अधिकारियों की मौजूदगी में खुलेगा दान पात्र

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी विवाद के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अपनी सुरक्षा और सर्विलांस व्यवस्था को बेहद सख्त कर दिया है। मंदिर में रोजाना बड़ी संख्या में पहुंच रहे श्रद्धालुओं द्वारा दिए जा रहे दान में पूर्ण पारदर्शिता, विश्वसनीयता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए 25 जुलाई से दान पेटियों के प्रबंधन से लेकर गिनती तक की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी शुरू कर दी गई है।

ट्रस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संपूर्ण व्यवस्था पर निगरानी रखने के लिए 8 सदस्यीय मॉनिटरिंग टीम का गठन किया गया है। मंदिर परिसर और दान पेटियों के पास 360 डिग्री और एसएलआर कैमरे लगाए गए हैं, जो चप्पे-चप्पे की पल-पल वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे हैं। इसके अलावा पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए दो पेशेवर फोटोग्राफरों को भी तैनात किया गया है। बदलाव के तहत अब पहले की तरह एक साथ कई दान पेटियां नहीं खोली जाएंगी। नई व्यवस्था के अनुसार, प्रतिदिन केवल एक ही दान पेटी खोली जाएगी। न्यास के महंत दिनेन्द्र दास ने बताया कि एक दान पेटी खाली करने से लेकर उसे गणना कक्ष तक ले जाने और सील करने तक की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाती है। दान की गिनती का काम भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों की अनिवार्य मौजूदगी में संपन्न होगा। निगरानी टीम में बैंक के दो कर्मचारी, न्यास के दो प्रतिनिधि, दो निजी सुरक्षा कर्मी और अन्य कर्मचारी शामिल रहेंगे। जब एक दान पात्र की गिनती पूरी हो जाएगी और एसबीआई के अधिकारी उसे सील कर देंगे, तभी दूसरा बॉक्स खोला जाएगा।

महंत दिनेन्द्र दास ने कहा कि दान गणना वाले कक्ष में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और अब राम मंदिर में एक पैसा भी इधर-उधर नहीं हो सकता। पुलिस द्वारा चढ़ावा चोरी के मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार करने और एसआईटी जांच जारी रहने के बीच ट्रस्ट का मानना है कि बैंक अधिकारियों की उपस्थिति और बहुस्तरीय निगरानी से भविष्य में ऐसी किसी भी घटना की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सावन मास में झूला उत्सव सहित सभी धार्मिक परंपराएं पूर्व की भांति सुचारू रूप से जारी रहेंगी।

क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया : चिदंबरम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान गाली देने वाले युवाओं को लेकर पीएम मोदी ने इंस्टाग्राम पर रील शेयर करके माफ करने की बात कही है। इसके बाद कांग्रेस ने पीएम मोदी पर तंज कसा। पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने एक्स पर कहा कि क्या पीएम मोदी ने बीजेपी के गालीबाज ट्रोल्स को भी माफ कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चिदंबरम ने कहा कि बीजेपी को ट्रोल्स भी सोशल मीडिया पर भद्दी-भद्दी गालियां देते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सरकार की आलोचना करते हैं उन्हें बीजेपी के ट्रोल्स गालियां देते हैं। वहीं पीएम मोदी ने शुक्रवार रात रील शेयर करते हुए कहा था कि गाली से किसी चीज का समाधान नहीं निकलता है। उन्होंने कहा था कि उन लोगों को सही रास्ता दिखाना चाहिए जो कि गलत रास्ते पर चले गए हैं। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को विक्टिम कार्ड खेलना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा कि वह अपने पूर्ववर्तियों और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और कटु भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें बदनाम करने के लिए वह न केवल अपनी सार्वजनिक सभाओं में बल्कि संसद के अंदर भी बार-बार झूठ फैलाते हैं। संसद के अंदर और बाहर गाली-गलौज करने वालों की पूरी फौज को खुली छूट देते हैं और उन्हें पूरा संरक्षण भी प्रदान करते हैं। रमेश ने आगे कहा कि आज पूरा देश इस बात का इंतजार कर रहा है कि पीएम मोदी एनटीए की पेपर लीक से ग्रस्त व्यवस्था के कारण लाखों युवाओं को हुई पीड़ा और छात्र आंदोलनों पर गृह मंत्रालय के संरक्षण में हुई बर्बर कार्रवाई के लिए माफी मांगें। पूरा देश राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए चंदा चोरी, आस्था धोखा प्रकरण पर भी पीएम मोदी से माफी की अपेक्षा कर रहा है, जिसकी स्थापना की घोषणा उन्होंने स्वयं 5 फरवरी 2020 को लोकसभा में बड़े जोर-शोर से की थी। पूरा देश आज भी 8 नवंबर 2016 को लिए गए उनके तुगलकी फैसले के लिए उनकी माफी का इंतजार कर रहा है, जिसने करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी छीन ली और लाखों एमसएमई बंद होने की कगार पर पहुंच गए।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके से मिले कई दिग्गज नेता

उद्धव ठाकरे ने फोन पर दिया समर्थन

मुंबई (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके इन दिनों जबरदस्त राजनीतिक चर्चाओं के केंद्र में हैं। छत्रपति संभाजीनगर स्थित उनके आवास पर विभिन्न दलों के नेताओं, समाजसेवियों और कार्यकर्ताओं के मिलने का तांता लगा हुआ है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को अभिजीत दीपके से फोन पर बात की और उन्हें पूरे विपक्ष की ओर से एकजुट समर्थन देने का भरोसा दिलाया। यह बातचीत शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत खैरे के जरिए संभव हुई, जो व्यक्तिगत रूप से दीपके के घर पहुंचे थे। उन्होंने अभिजीत और उद्धव ठाकरे के बीच वीडियो कॉल करवाई। बातचीत के दौरान सीजेपी नेता अभिजीत दीपके ने साफ किया कि जब तक छात्रों की सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे उनके अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। फोन पर चर्चा के दौरान उद्धव ठाकरे ने अभिजीत और उनके माता-पिता को बांद्रा ईस्ट स्थित अपने आवास मातोश्री आने का न्योता भी दिया, जिसे दीपके ने सहर्ष स्वीकार करते हुए जल्द आने की बात कही।

बातचीत का एक दिलचस्प और हल्का-फुल्का पहलू तब सामने आया जब उद्धव ठाकरे ने अभिजीत की मां अनीता दीपके से उनके बेटे की शादी की योजनाओं के बारे में पूछा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उनकी मां ने कहा कि हर माता-पिता की तरह वे भी चाहती हैं कि उनका बेटा शादी कर ले, लेकिन अंतिम फैसला अभिजीत का ही होगा। अभिजीत दीपके के अपने गृह नगर लौटने के बाद से ही महाराष्ट्र राजनीति के कई बड़े चेहरे उनसे मुलाकात कर चुके हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने भी दीपके परिवार से मुलाकात की थी, जिनसे उनके पुराने पारिवारिक संबंध बताए जाते हैं। इसके अलावा, सत्ताधारी शिवसेना के एमएलसी बच्चू काडू भी व्यक्तिगत तौर पर उनसे मिलने पहुंचे थे। दिव्यांगों और किसानों के मुद्दों पर आंदोलन के लिए पहचाने जाने वाले काडू ने जंतर-मंतर पर किए गए विरोध प्रदर्शन के लिए दीपके की सराहना की और कहा कि वे एक आंदोलनकारी के नाते दूसरे आंदोलनकारी का हौसला बढ़ाने आए थे। फिलहाल, दीपके को मिल रहा यह राजनीतिक समर्थन प्रदेश की सियासत में चर्चा का मुख्य विषय बना हुआ है।

कश्मीर के कुलगाम में हुए आतंकी हमले में दूसरे मजदूर की भी मौत

-आतंकियों ने छत्तीसगढ़ के मजदूरों का धर्म पूछकर गोली मारी थी

जम्मू (एजेंसी)। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के कीलम इलाके में शुक्रवार को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिससे दोनों की मौत हो गई। हमले के दौरान एक मजदूर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि दूसरे गंभीर रूप से घायल मजदूर को तुरंत बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, शनिवार को इलाज के दौरान दूसरे मजदूर की भी मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकवादियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। बता दें प्रारंभिक जांच में बताया गया कि आतंकियों ने धर्म पूछकर निशाना बनाया था।

यह हमला पिछले 10 दिनों के भीतर दक्षिण कश्मीर में दूसरी बड़ी आतंकी घटना है। इससे पहले 22 जुलाई को अनंतनाग जिले में अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक जवान की आतंकवादियों ने करीब से गोली मारकर हत्या कर दी थी। उस घटना के कुछ ही दिनों बाद, कुलगाम के कीलम में अपनी आजीविका कमाने आए बाहरी मजदूरों को निशाना बनाया गया। कश्मीर घाटी में गैर-स्थानीय या प्रवासी मजदूरों पर लगभग दो साल में यह पहला बड़ा हमला माना जा रहा है। इससे पहले 18 अक्टूबर 2024 को शोपियां जिले के वाची इलाके में बिहार के बांका जिले के रहने वाले एक प्रवासी मजदूर की अज्ञात आतंकियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात और अन्य शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों से फोन पर बात की और सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के खिलाफ अपने अभियानों को तेज करने तथा दोषियों को जल्द से जल्द खत्म करने का सख्त निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं और पूरा देश इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। वहीं, जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भी इस जघन्य हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि ये मजदूर अपने परिवारों का पेट पालने के लिए अपने घरों से बहुत दूर आकर कड़ी मेहनत करते हैं। ऐसे निर्दोष लोगों को हिंसा की बेमतलब की घटनाओं में निशाना बनाना अकल्पनीय रूप से क्रूर और कायरतापूर्ण हरकत है। फिलहाल पूरे इलाके में चौकसी बढ़ा दी गई है और आतंकियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है।

सितंबर में ब्रिक्स समिट में मिलेंगे दुनिया के पॉवरफुल लोग, अमेरिका की धड़कनें हुई तेज?

-इन बैठकों में व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा, वैश्विक हालात जैसे मुद्दों पर हो सकती है चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सितंबर में ब्रिक्स समिट की मेजबानी करने जा रहा है। इस मंच पर दुनिया के पावरफुल देश शामिल होंगे। इसमें पीएम मोदी की मौजूदगी तो होगी ही साथ ही कई दिग्गज नेता बैठक करेंगे। ये वो वर्ल्ड लीडर हैं, जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना विरोधी मानते हैं। अमेरिका के ये तीन दुश्मन देश हैं- रूस, चीन और ईरान।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली में 12 से 13 सितंबर को ब्रिक्स समिट है। इस समिट में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान शामिल होंगे। जब ये तीनों वर्ल्ड लीडर भारत में एक मंच पर मिलेंगे तो अमेरिका की धड़कन बढ़ जाएगी। यह समिट ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में तनाव है। उधर रूस और यूक्रेन के बीच भी लड़ाई जारी है। ऐसे में दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि इस मंच से क्या संदेश निकलता है। अमेरिका भी इस पर नजर जमाए रखेगा।

बता दें शी जिनपिंग, व्लादिमीर पुतिन और पेजेश्कियन के साथ पीएम मोदी की अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। इन बैठकों में कारोबार, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग, वैश्विक हालात और क्षेत्रीय तनाव जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। अमेरिका की नजर सबसे ज्यादा ईरान और चीन पर होगी। गौरतलब है कि भारत और चीन के रिश्ते काफी समय से तल्ख रहे हैं। अब जमी बर्फ पिघलने लगी है। भारत-चीन लगातार अपने संबंध सुधार रहे हैं। अगर शी जिनपिंग सितंबर में भारत आते हैं तो बीते 7 साल में शी जिनपिंग की यह पहली भारत यात्रा होगी।

अमेरिका को डर है कि कहीं ये देश मिलकर अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ कोई नया गठजोड़ न बना लें। रूस और ईरान पर अमेरिका लगातार सैंक्शन लगा रहा है। ये दोनों देश इस समय अमेरिकी प्रतिबंधों और दबाव का सामना कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर लगातार सख्त रुख अपनाए हुए है। वहीं ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम और पश्चिम एशिया के हालात को लेकर तनाव बना हुआ है। ऐसे में अगर भारत इन देशों के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करता है तो यह अमेरिका की रणनीतिक नजर में अहम घटनाक्रम होगा।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की यात्रा भी कई मायनों में अहम होगी। वह पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भारत को विस्तार से जानकारी देंगे। साथ ही दोनों देश ऊर्जा, व्यापार और चाबहार बंदरगाह परियोजना जैसे मुद्दों पर आगे की रणनीति पर भी चर्चा कर सकते हैं। अमेरिका के प्रतिबंधों के कारण पिछले कुछ सालों में भारत-ईरान व्यापार प्रभावित हुआ है।

इस बार ब्रिक्स सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब पश्चिम एशिया में ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच कई मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं। संगठन के भीतर फिलिस्तीन और दो-राष्ट्र समाधान को लेकर भी अलग-अलग राय सामने आई है। माना जा रहा है कि भारत इन मतभेदों को कम करने में भी अहम भूमिका निभा सकता है। भारत पांच साल बाद ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है।